PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)
■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, मंगलवार, 01 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

इस्तीफा देकर भी सेवा में लौट सकते हैं आईएएस: चर्चा में यूपी कैडर की दिव्या मित्तल का मामला; क्या है नियम?

आईएएस अधिकारी नौकरी छोड़ने के बाद भी कुछ शर्तों के तहत दोबारा सेवा में लौट सकते हैं। इस्तीफा स्वीकार होने से पहले अधिकारी वापसी के लिए आवेदन कर सकता है, लेकिन स्वीकार होने के बाद लौटना संभव नहीं होता। आईएएस अफसरों के इस्तीफे और वापसी के इन मामलों में क्या है सेवा का नियम? आईएएस की नौकरी छोड़ने वाले चाहे तो फिर सेवा में लौट सकते हैं। अगर समय रहते उनका मन बदल जाए तो आईएएस सेवा में लौटने का विकल्प खुला रहता है। किसी आईएएस का इस्तीफा स्वीकार होना भी कई बातों पर निर्भर करता है। ताजा मामला यूपी कैडर की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल के इस्तीफे का है। तमिलनाडु कैडर के 2011 बैच के आईएएस अधिकारी अनीश शेखर ने 29 फरवरी 2024 को निजी कारणों से इस्तीफा दिया। उसी साल मई महीने वह दोबारा भारतीय प्रशासनिक सेवा यानी आईएएस में लौट आए। आईएएस टॉपर शाह फैसल इस्तीफा देकर राजनीति में सक्रिय हो गए और जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट पार्टी बनाई। इस पर राजनीतिक विवाद भी हुआ। लेकिन इस बीच उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ था। बाद में उन्होंने फिर से सेवा में वापस आने का आवेदन दिया। तीन साल बाद वह वापस आईएएस सेवा में लौट आए।

क्या है नियम?

असल में अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 के तहत सरकारी कर्मचारी व अधिकारी सक्रिय रूप से राजनीति में हिस्सा नहीं ले सकते और न ही राजनीतिक दलों से जुड़ सकते हैं। जो आईएएस अधिकारी चुनावी राजनीति में प्रवेश करना चाहते हैं, उसे आम तौर पर सरकारी सेवा से औपचारिक रूप से इस्तीफा देना होता है।

यूपी के मुख्य सचिव रहे आलोक रंजन का कहना है कि इस्तीफा स्वीकार करने की लंबी प्रक्रिया होती है और इस बीच अगर अधिकारी चाहे तो दोबारा सेवा में आने का आवेदन दे सकता है। लेकिन इस्तीफा स्वीकार होने के बाद वह सेवा में वापस नहीं आ सकता।

कन्नन गोपीनाथन ने सात साल पहले दिया इस्तीफा, अब तक स्वीकार नहीं

कन्नन गोपीनाथन ने 2019 में आईएएस से इस्तीफा दिया। उन्होंने यह निर्णय जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरोध में लिया। पिछले साल 13 अक्तूबर को वह कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हो गए। लेकिन उनका इस्तीफा केंद्र ने स्वीकार नहीं किया। उन्होंने हाल में सोशल मीडिया पर लिखा, शायद मैं सबसे विशेषाधिकार प्राप्त सरकारी कर्मचारी हूं। मैं जब चाहूं अपनी ड्यूटी ज्वाइन कर सकता हूं, जब चाहूं विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा ले सकता हूं और सरकार ने मुझे पूरी आजादी दे रखी है। न वेतन, न निलंबन, कुछ भी नहीं। इस्तीफा दिए सात साल हो गए हैं।

शशिकांत सेंथिल आईएएस से इस्तीफा देकर बन गए सांसद

तमिलनाडु कैडर के आईएएएस शशिकांत सेंथिल ने भी 2019 में इस्तीफा दिया था। इसे स्वीकार किए जाने में लगभग तीन साल लगे। सेंथिल बाद में कांग्रेस में शामिल होकर तमिलनाडु के तिरुवल्लूर से पिछला लोकसभा चुनाव लड़े और जीतकर संसद पहुंच गए। महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा व औषधि विभाग में संयुक्त सचिव व 2008 बैच के आईएएस अफसर दौलत देसाई ने इस्तीफा दिया। लेकिन उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ।

अलीगढ़: बांग्लादेश उच्चायोग प्रतिनिधिमंडल आज पहुंचेगा जिला जेल, करेगा बांग्लादेशी घुसपैठियों से मुलाकात

ये सभी बांग्लादेश के कुड़ीग्राम जिले के फुलवाड़ी थाना क्षेत्र स्थित अजुआटडी गांव के रहने वाले हैं और दलालों की मदद से पश्चिम बंगाल के रास्ते अलीगढ़ तक पहुंचे थे। अन्य पांच आरोपियों को शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गिरफ्तार किया गया था। अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए जिला कारागार में बंद 10 बांग्लादेशी घुसपैठियों से मुलाकात करने के लिए मंगलवार को बांग्लादेश उच्चायोग का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल अलीगढ़ पहुंच रहा है। जेल प्रशासन ने इस हाई-प्रोफाइल मुलाकात को लेकर अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पकड़े गए ये सभी 10 नागरिक अवैध तरीके से भारत में घुसे और अलीगढ़ में रहकर मजदूरी कर रहे थे। इनमें पांच लोग एक ही परिवार के हैं, जिन्हें पिछले दिनों गांधीपार्क पुलिस ने कमालपुर इलाके में ईंट-भट्टे की झुग्गियों में दबोचा था। ये सभी बांग्लादेश के कुड़ीग्राम जिले के फुलवाड़ी थाना क्षेत्र स्थित अजुआटडी गांव के रहने वाले हैं और दलालों की मदद से पश्चिम बंगाल के रास्ते अलीगढ़ तक पहुंचे थे। अन्य पांच आरोपियों को शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गिरफ्तार किया गया था।

जेल अधीक्षक पंकज सिंह का कहना है कि बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल आ रहा है। इसके लिए जेल प्रशासन ने सभी तैयारियां कर ली हैं।

Aligarh News: दीवार फांदकर इंटर कॉलेज में घुसे राज्यमंत्री, अंदर पांच कमरों की छत गायब मिली

ग्रामीणों की शिकायत पर रविवार को सालपुर के सरकारी इंटर कॉलेज की हकीकत देखने पहुंचे राज्यमंत्री सुरेंद्र दिलेर को गेट बंद मिला। कर्मचारी के नहीं पहुंचने पर वह दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हुए तो पांच कमरों की छत गायब, चाहरदीवारी टूटी और छात्रों के लिए शौचालय तक नहीं मिला। कॉलेज की बदहाली देखकर मंत्री का पारा चढ़ गया। उन्होंने मौके से ही प्रिंसिपल और डीआईओएस को फोन कर पिछले 10 साल में मिले बजट और उसके खर्च का हिसाब तलब कर लिया। दरअसल गांव सालपुर के सीआईएसएफ जवान विवेक डागुर की मौत पर परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे राज्यमंत्री से ग्रामीणों ने सरकारी इंटर कॉलेज की बदहाली की शिकायत की। ग्रामीणों की बात सुनकर मंत्री अचानक निरीक्षण करने निकल पड़े। रविवार होने के कारण इंटर कॉलेज में स्टाफ मौजूद नहीं था। गेट बंद मिला तो कर्मचारी को बुलाने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। इसके बाद मंत्री दीवार फांदकर परिसर में पहुंच गए। परिसर में दाखिल होते ही अव्यवस्थाओं का पूरा ढांचा सामने था। पीछे की ओर कई कमरों की छत नहीं थी। बाकी भवन भी जर्जर हालत में मिला। चाहरदीवारी कई जगह टूटी थी और परिसर में ऊंची घास व झाड़ियां उगी थीं। विद्यार्थियों के लिए शौचालय तक की व्यवस्था नहीं मिली। विद्यालय के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन को देखकर मंत्री ने इसे बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना। ये हालात देख राज्यमंत्री ने कार्यवाहक प्रधानाचार्य चंद्रभान सिंह को फोन किया और साफ-सफाई व विद्यालय की बदहाली पर नाराजगी जताई। इसके बाद उन्होंने डीआईओएस से बात कर विद्यालय की स्थिति बताई। साथ ही पिछले 10 वर्षों में कॉलेज को मिली धनराशि और उस पर हुए खर्च का पूरा हिसाब भी मांगा है।

305 बच्चे पंजीकृत, फिर भी सुविधाएं नदारद

विद्यालय में कक्षा छह से 12 तक 305 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। हालांकि रोजाना करीब 170 से 180 विद्यार्थी ही विद्यालय पहुंचते हैं। विद्यालय में छह शिक्षकों की भी कमी है। कार्यवाहक प्रधानाचार्य के अनुसार विद्यालय की मरम्मत और जरूरी सुविधाओं के लिए एस्टीमेट और जरूरतों की सूची पहले ही जिलाधिकारी को भेजी जा चुकी है।

दशकों से विवाद, नहीं बनी प्रबंधन समिति

कार्यवाहक प्रधानाचार्य चंद्रभान सिंह ने बताया कि मंत्री का फोन आया था और उन्होंने विद्यालय में साफ-सफाई को लेकर जानकारी ली।

बजट की कमी के कारण वह स्तर पर काम नहीं करा पा रहे हैं। दशकों से चले आ रहे विवाद के कारण विद्यालय में प्रबंधन समिति भी नहीं है। इसकी देखरेख एसडीएम के स्तर से होती है। . ग्रामीणों की शिकायत पर विद्यालय पहुंचा था। जर्जर हालत देखकर मन बहुत दुखी हुआ। डीआईओएस से पिछले 10 वर्ष का लेखा-जोखा मांगा है। मूलभूत सुविधाएं तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। किसी भी कीमत पर बच्चों की शिक्षा से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। - सुरेंद्र दिलेर, राजस्व राज्यमंत्री

Aligarh News: होटल मेलरोज इन सील, संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मैरिस रोड स्थित होटल मेलरोज इन में 17 जुआरियों के पकड़े जाने के मामले में पुलिस ने सोमवार की रात होटल को सील कर दिया। वहीं, अब होटल संचालक निखिल अग्रवाल को भी आरोपी बना दिया है। पुलिस ने साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संचालक का नाम एफआईआर में शामिल कर लिया है। कानूनी शिकंजा कसता देख होटल संचालक की तरफ से अदालत में अग्रिम जमानत के लिए याचिका भी दाखिल की गई है। 27 अगस्त को पुलिस ने होटल में जुए की फड़ पर बैठे 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान पुलिस के हाथ मुख्य जुआ संचालक के साथ-साथ होटल का रिसेप्शनिस्ट और बाहर से पुलिस की गतिविधियों की रेकी करने वाला वह युवक भी था, जो मुखबिरी कर अंदर सूचना पहुंचाता था।

शुरुआत से ही होटल संचालक निखिल कुमार पुलिस के संदेह के घेरे में था। अब डिजिटल साक्ष्यों और गहन जांच के बाद उसका नाम मुकदमे में दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब इस अवैध जुए के नेटवर्क के पुराने और गहरे लिंक्स को खंगालने में जुटी है। इस कार्रवाई के बाद से शहर के अन्य होटल संचालकों में भी हड़कंप मचा हुआ है, जो इस तरह की गतिविधियों से लिप्त हैं - साक्ष्यों के आधार पर होटल संचालक निखिल अग्रवाल का नाम एफआईआर में शामिल किया गया है। मामले की जांच जारी है। पकड़े गए लोगों के नेटवर्क की भी तलाश की जा रही है। - सर्वम सिंह, सीओ तृतीय

Aligarh News: एटा चुंगी फ्लाईओवर का 60 फीसदी काम पूरा, जनवरी तक चालू करने की तैयारी

एटा चुंगी चौराहे पर निर्माणाधीन फोरलेन फ्लाईओवर का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। 56 करोड़ से बन रहे पुल का लगभग 60 फीसदी काम पूरा हो चुका है। जनवरी तक इसको चालू करने पर जोर दिया जा रहा है। इसके बनने के बाद वाहन चालकों को एटा चुंगी चौराहे पर लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। 650 मीटर लंबे इस पुल के दोनों ओर के सर्विस रोड को साढ़े तीन मीटर से चौड़ा कर साढ़े पांच मीटर किया जा रहा है। इस पुल के 12 पिलर हैं, जिन पर स्लैब डाला जा रहा है। स्लैब का काम पूरा होने के बाद इनको जोड़ा जाएगा। जिसके बाद दोनों ओर ढलान बनाई जाएगी। मिट्टी भराई का काम भी साथ ही साथ जारी है। राज्य सेतु निगम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने बताया कि जनवरी तक इसका काम पूरा करने का लक्ष्य है। अभी तक 60 फीसदी काम पूरा हुआ है। बता दें कि छर्रा अड्डा पुल से पनैठी चौराहे पर शहर के अंदरुनी जीटी रोड को भी चौड़ा किया जा रहा है। नगर निगम इसका चौड़ीकरण कर रहा है। इसी रास्ते पर यह पुल पड़ता है। दोनों काम पूरे होने के बाद सड़क चौड़ी हो जाएगी और यातायात सुगमता से जारी रहेगा।

अलीगढ़: सेना में नौकरी के नाम से ठगी करने का फरार आरोपी गिरफ्तार, कोर्ट ने रिमांड स्वीकृत कर भेजा जेल

शिकायतकर्ता को सेना में भर्ती कराने का झांसा देकर उसको कूटरचित एडमिट कार्ड तथा नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराए। आरोपी रिपोर्ट दर्ज होने के बाद फरार चल रहा था। सेना में भर्ती कराने के नाम पर 10 लाख रुपये करने का आरोपी को इगलास पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह दो साल से फरार चल रहा था। सीओ कमलेश कुमार ने बताया है कि कोतवाली इगलास में रवि निवासी खिरावर ने संदीप कुमार निवासी ग्राम मिठौली, नौहझील, मथुरा के खिलाफ आर्मी में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी करने संबंधी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित से आरोपी ने ऑनलाइन खाते में पांच लाख रुपये तथा नकद पांच लाख रुपये 2018 में लिए थे। आरोपी ने 29 मई 2024 को एक शिकायतकर्ता को सेना में भर्ती कराने का झांसा देकर उसको कूटरचित एडमिट कार्ड तथा नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराए। आरोपी रिपोर्ट दर्ज होने के बाद फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ थाना टप्पल, अलीगढ़ और थाना साइबर क्राइम मथुरा में तीन अन्य प्रकरण भी नौकरी के नाम झांसा देकर ठगी करने संबंधी दर्ज हैं। आरोपी को कोर्ट ने 14 दिन का रिमांड स्वीकृत करते हुए जेल भेज दिया है।

अलीगढ़: वार्डों में ताला लगवाने के मामले में डीएम सख्त, बोले- मरीजों की तालाबंदी गलत, तत्काल करें व्यवस्था

डीएम ने कहा है कि किसी भी सरकारी अस्पताल के वार्ड अथवा प्रवेश द्वार को ऐसे बंद न किया जाए कि आपात स्थिति में मरीजों या उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़े। अलीगढ़ जिले के सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों की सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर किया जाएगा। बता दें कि अमर उजाला के 23 अगस्त के अंक में मलखान सिंह जिला अस्पताल की खबर प्रकाशित हुई थी, जिसमें बताया गया था कि रात के समय वार्डों को अंदर से ताला लगवाकर बंद करा दिया जाता है, जिससे मरीज और तीमारदार पूरी रात परेशान रहते हैं। डीएम अविनाश कुमार ने इसका संज्ञान लिया है। डीएम ने कहा है कि किसी भी सरकारी अस्पताल के वार्ड अथवा प्रवेश द्वार को ऐसे बंद न किया जाए कि आपात स्थिति में मरीजों या उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़े। सभी को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना संबंधित अस्पताल के सीएमएस की जिम्मेदारी है। लापरवाही मिलने पर जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी। सीएमओ सहित सभी अस्पतालों के सीएमएस को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर, वार्डों एवं प्रवेश-निकास स्थलों पर सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम किए जाएं। सुरक्षा कर्मियों की सक्रियता बढ़ाई जाए। रात्रिकालीन गश्त और सीसीटीवी व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए। अनधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए।

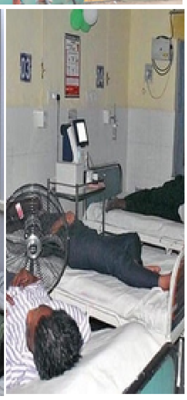

उन्होंने मलखान सिंह जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरएन सिंह को निर्देशित किया कि अविलंब समीक्षा कर सुरक्षा की खामियों को दूर करें। दीनदयाल अस्पताल और जिला महिला अस्पताल के सीएमएस को भी सुरक्षा व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं।

वाराणसी: आश्रम में रह रहीं बड़े घरों की 125 महिलाएं,
अपनों ने सड़क पर छोड़ा; फिंगरप्रिंट, आइरिस स्कैन से पहचान

वाराणसी में जिले और आसपास के शहरों की 130 लावारिस महिलाओं की पहचान फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन से हुई। हैरान करने वाली बात है कि इनके परिवारों ने इन्हें अपनाने से इन्कार कर दिया। इनमें से पांच महिलाओं की मौत बीमारी की वजह से हो चुकी है। वहीं 125 महिलाएं अपना घर आश्रम में रह रही हैं।काशी और आसपास के जिलों की 130 लावारिस महिलाओं की पहचान फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन के जरिये की गई फिर भी उनके परिजनों ने उन्हें अपनाने से इन्कार कर दिया। किसी के पिता जमींदार थे तो किसी के पति सरकारी कर्मचारी हैं। इनमें से पांच महिलाओं की गंभीर बीमारियों से पिछले छह महीने में मौत हो चुकी है। 125 महिलाएं सामने घाट स्थित अपना घर आश्रम में रह रही हैं।आइरिस स्कैन और फिंगर प्रिंट के जरिये इन महिलाओं के आधार कार्ड निकाले गए। पता मिला तो आश्रम प्रशासन और प्रोबेशन विभाग के अफसरों ने उनके परिजनों से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने महिलाओं को अपने साथ रखने से साफ इन्कार कर दिया।

किसी महिला को संपत्ति के लालच में घर से निकाला गया, तो किसी की तबीयत खराब हो गई थी। मानसिक रूप से परेशान महिलाओं को अपनों ने सड़क पर छोड़ दिया। गंगा घाट, बाजार और चौराहों पर मिलने वाली इन महिलाओं को जिला प्रोबेशन विभाग के सहयोग से अपना घर आश्रम लाया गया है।

चंदौली की 45 वर्षीय महिला कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल में छह महीने पहले लावारिस हालत में मिली थी। चार महीने तक आश्रम में इलाज के बाद बायोमेट्रिक से आधार कार्ड निकाला गया। पता चला कि महिला के पिता चंदौली में जमींदार थे। वाराणसी के अर्दली बाजार में रहने वाला पति जल निगम में कर्मचारी है। पिता की मृत्यु के बाद पति से नहीं बनी तो उसने तलाक दे दिया। महिला की मानसिक स्थिति खराब हुई तो चचेरे भाई ने जमीन हड़प ली। चचेरा भाई अब महिला को अपने साथ रखने के लिए तैयार नहीं है।

तीन साल की मोहब्बत का खौफनाक अंत:
शादीशुदा प्रेमी, प्रेमिका का तय हो चुका था रिश्ता; फंदे से लटके मिले दोनों

घर में एक बालक पहुंचा तो कुंडी खुली थी। मुख्य गेट बाहर से बंद था। उसने युवक और युवती के शव घर के अंदर फंदे से लटके देखे। उसकी चीख सुनकर ग्रामीण जुट गए। पुलिस ने पहुंचकर शवों को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने कमरे में तलाशी ली लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।आगरा के गांव रहनकलां में एक प्रेम कहानी का दुखद अंत हो गया। रविवार रात प्रेम प्रसंग में इंद्रवती उर्फ इंदु (20) और प्रीतम (22) ने

आत्महत्या कर ली। प्रेमिका के घर में ही दोनों के शव एक ही कमरे में दुपट्टे के फंदे से लटके मिले। दोनों के बीच तीन साल से प्रेम संबंध थे। हालांकि युवक विवाहित था।इंद्रवती उर्फ इंदु के पिता अमर सिंह रविवार को घर पर नहीं थे। इंदु की मां गीता देवी की छह साल पहले मौत के बाद अमर ने नगला गड़रिया फतेहाबाद निवासी श्रीदेवी से दूसरी शादी कर ली थी। उनसे दो बेटे यश और लवकुश हैं। वह 27 अगस्त को छोटे बेटे को दवा दिलाने के लिए अपनी ससुराल नगला गड़रिया गए थे।उधर, गांव के ही महेंद्र सिंह वर्मा का बेटा प्रीतम एक बाइक-टैक्सी कंपनी में काम करता था। वह रविवार रात को काम पर जाने की कहकर इंदु के घर पहुंच गया। सोमवार सुबह 6:30 बजे इंदु के कमरे में एक बालक गया तो घर की कुंडी खुली थी जबकि मुख्य गेट बाहर से बंद था। उसने दोनों के शव घर के अंदर फंदे से लटके देखे। उसकी चीख सुनकर ग्रामीण जुट गए। पुलिस ने पहुंचकर शवों को फंदे से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने कमरे में तलाशी ली लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

सवा साल पहले हुई थी प्रीतम की शादी

प्रीतम के बड़े भाई संजय निषाद ने बताया कि वह दो भाई थे। वह कुबेरपुर में कपड़े की दुकान पर काम करते हैं। प्रीतम बाइक-टैक्सी का काम करता था। प्रेम संबंध की जानकारी उन्हें नहीं थी। उसकी शादी एक मई 2025 को राजस्थान के राजाखेड़ा क्षेत्र के गांव छीतापुरा निवासी वंदना के साथ हुई थी। दोनों सही तरह से रह भी रहे थे। हालांकि वंदना करीब डेढ़ महीने से अपने मायके में है।

ससुरालियों ने लगाया हत्या का आरोप

घटना की जानकारी पर प्रीतम की पत्नी वंदना के मायके पक्ष के लोग भी पहुंच गए। उन्होंने प्रीतम के परिजन से विवाद करते हुए उसकी मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उनका आरोप था कि प्रीतम को जान बूझकर मरवाया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। पुलिस का कहना है कि आरोपों की जांच की जा रही है। सोमवार शाम पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव गांव पहुंचे। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। देर शाम अंतिम संस्कार कर दिया गया।

स्वाइन फ्लू: महंगी जांच कराने से बच रहे लोग,
इसलिए केस भी कम; असली आंकड़ों पर उठ रहे सवाल

स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रकोप के बीच स्वास्थ्य विभाग की अजब रणनीति से सरकारी आंकड़ों में मरीज कम दिख रहे हैं। जांच दर तय न होने से निजी केंद्र छह हजार रुपये तक वसूल रहे हैं। कीमत सुनकर लोग जांच न कराकर वापस लौट रहे हैं। सरकारी अस्पताल में ग्रुप सी के मरीजों की ही स्वाइन फ्लू की जांच करने के आदेश दिए गए हैं। इस कारण मरीजों की संख्या में कमी दिख रही है। राजधानी लखनऊ में स्वाइन फ्लू से महिला की जान जा चुकी है। इसके अलावा 25 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। यह संख्या भले ही कम दिख रही हो, लेकिन असल में संक्रमित इससे ज्यादा हैं। दरअसल, स्वास्थ्य विभाग की अजब रणनीति के कारण सरकारी आंकड़े में मरीज कम दिख रहे हैं।अब तक निजी केंद्रों पर स्वाइन फ्लू की जांच दर ही नहीं तय की जा सकी है।

इसका फायदा उठाकर मरीजों से छह हजार रुपये तक वसूले जा रहे हैं। इस भारी भरकम शुल्क के कारण सभी लोग जांच कराने से बच रहे हैं, जिससे स्वाइन फ्लू के मरीजों का आंकड़ा भी कम दिख रहा है।

बैठक में जांच शुल्क की दर तय होगी

उधर, सरकारी अस्पतालों में ग्रुप सी श्रेणी के मरीजों की ही स्वाइन फ्लू की जांच करने के लिए नमूने लेने के आदेश दिए गए हैं। इस कारण भी अब तक कम मरीज मिले हैं। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है कि निजी केंद्र संचालकों के साथ मंगलवार की बैठक में जांच शुल्क की दर तय होगी।जिले में 250 से अधिक निजी पैथोलॉजी हैं। इनमें से बड़ी लैबों में ही स्वाइन फ्लू की जांच की सुविधा है। ये निजी केंद्र जांच के बदले 5500 से लेकर छह हजार रुपये तक वसूल रहे हैं। इस कारण ज्यादातर लोग बिना जांच कराए ही लौट रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना काल में आरटीपीसीआर जांच का शुल्क 700-900 रुपये तय किया गया था, लेकिन स्वाइन फ्लू के लिए अब तक कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। एक ही जांच के लिए निजी सेंटर अलग-अलग कीमत वसूल रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों में आसान नहीं जांच कराना

स्वाइन फ्लू के संदिग्ध मरीजों के लिए सरकारी अस्पतालों में जांच करवाना आसान नहीं है। इसका कारण है कि यहां सी श्रेणी के मरीजों का ही नमूना लेने का आदेश हैं। इस श्रेणी में वे मरीज आते हैं, जिनमें सांस फूलने, ऑक्सीजन का स्तर कम होने जैसे लक्षण नजर आएं। इसके अलावा ये मरीज भर्ती हों। इस कारण संदिग्ध मरीज जांच के लिए निजी केंद्र पहुंच रहे हैं। यहां उनसे भारी शुल्क वसूला जा रहा है।

चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर डटे किसान:
47/48 लाइट प्वाइंट पर स्टेज, गोल्फ क्लब से रूट डायवर्ट; बनने लगा लंगर

किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने बताया कि चंडीगढ़ बॉर्डर पर एसकेएम का यह पहला बड़ा प्रदर्शन है। इस दिन-रात के मोर्चे के दौरान किसानों की मांगों पर प्रतिदिन चर्चा होगी।संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने पानी और किसानों के कर्जा माफी जैसे मुद्दों को लेकर चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर पक्का मोर्चा लगा दिया है। यह मोर्चा 7 सितंबर तक जारी रहेगा।आंदोलन के लिए सोमवार शाम से ही किसान जत्थेबंदियां मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर के फेज-11 क्षेत्र में पहुंचना शुरू हो गईं। मंगलवार सुबह तक बड़ी संख्या में किसान धरना स्थल पर डट गए। किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल ने बताया कि चंडीगढ़ बॉर्डर पर एसकेएम का यह पहला बड़ा प्रदर्शन है। इस दिन-रात के मोर्चे के दौरान किसानों की मांगों पर प्रतिदिन चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि मुख्य मांगों में पानी से संबंधित पुराने समझौते रद्द करना शामिल है।

इसके अलावा, गन्ने के किसानों को उचित और समय पर भुगतान की वह मांग कर रहे हैं। धरने में अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक समझौतों जैसे अहम मुद्दों पर भी आवाज उठाई जाएगी। नेताओं ने कहा कि वे सरकार के बातचीत के आमंत्रण पर पूरी तरह तैयार हैं।किसानों ने गोल्फ क्लब से लेकर 47/48 लाइट प्वाइंट तक सड़क के एक हिस्से को धरने के लिए घेर लिया है। प्रशासन की सहमति से सड़क का दूसरा हिस्सा आम लोगों के लिए खुला रखा गया है, ताकि चंडीगढ़ और मोहाली के बीच आवाजाही पूरी तरह बाधित न हो। किसानों ने 47/48 लाइट प्वाइंट पर अपना स्टेज लगाया है।

कौशांबी पटाखा फैक्टरी विस्फोट:
सात पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, किए गए निलंबित; अब तक हो चुकीं 11 मौतें

कौशांबी में पटाखा फैक्टरी विस्फोट मामले में सात पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। इन्हें निलंबित कर दिया गया है। बताते चलें कि विस्फोट में अब तक 11 मौतें हो चुकी हैं। परमिट निलंबित होने के बावजूद अवैध पटाखा फैक्टरी चल रही थी। यूपी के कौशाम्बी में पिपरी थाना क्षेत्र के चिल्ला शाहबाजी गांव में अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण के दौरान हुए भीषण विस्फोट के मामले में पुलिस महकमे ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में पिपरी थाने के तत्कालीन प्रभारी समेत सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। विस्फोट में 11 लोगों की मौत और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र की ओर से जारी प्रेस नोट के मुताबिक, 31 अगस्त को सुबह करीब 11:30 बजे चिल्ला शाहबाजी गांव में अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण के कारखाने में विस्फोट हुआ था। मामले में पिपरी थाने में छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 288 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 4, 5 व 6 के तहत कार्रवाई की गई है।

पहले ही निलंबित हो चुका था फैक्टरी संचालक का परमिट

जांच में सामने आया कि अवैध पटाखा निर्माण और भंडारण का आरोपी नौशाद अली पुत्र निजामुद्दीन, निवासी महमूदपुर मनौरी, थाना पिपरी पहले भी कार्रवाई की जद में आ चुका था। उसके पटाखा निर्माण/भंडारण संबंधी अनुमति को अनियमितता मिलने पर 4 अप्रैल 2024 को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद भी आरोपी के खिलाफ अक्तूबर 2024 में अवैध पटाखा फैक्टरी चलाने के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया और उसे जेल भेजा गया थाआरोपी के जेल से बाहर आने के बाद भी कथित तौर पर अवैध फैक्टरी दोबारा संचालित की जा रही थी। 31 अगस्त को इसी दौरान हुए विस्फोट में 11 लोगों की जान चली गई।

इन सात पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

घटना के दौरान पिपरी थाने की चौकी चायल के प्रभारी रहे अधिकारियों और तत्कालीन थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। निलंबित पुलिसकर्मियों में निरीक्षक शिवचरण राम, उपनिरीक्षक विकास सिंह, उपनिरीक्षक विनय सिंह, उपनिरीक्षक अजीत कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अभिषेक गुप्ता, उपनिरीक्षक मनीष पाल और उपनिरीक्षक अमित द्विवेदी शामिल हैं।

कौशांबी पटाखा फैक्टरी विस्फोट:
मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, गोदाम पर चला बुलडोजर; 11 की हुई थी मौत

31 अगस्त को पटाखा फैक्टरी विस्फोट में आठ बच्चों समेत 11 की मौत हुई। पुलिस ने 1 सितंबर को एनकाउंटर में आरोपी नौशाद को गिरफ्तार कर उसका अवैध गोदाम ध्वस्त किया।उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में 31 अगस्त, 2026 सोमवार दोपहर एक पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट हुआ। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई, जिनमें आठ बच्चे शामिल थे। पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने मंगलवार की भोर करीब 4 बजे एनकाउंटर के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।अधिकारियों ने बताया कि इस फैक्टरी का लाइसेंस 2024 में रद्द कर दिया गया था। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि फैक्टरी की इमारत पूरी तरह नष्ट हो गई। इसके साथ ही आसपास के छह अन्य घर भी क्षतिग्रस्त हो गए।पुलिस उपाधीक्षक शिवंग सिंह ने बताया कि मोहम्मदपुर मनौरी में पिपरी पुलिस थाना क्षेत्र के तहत यह घटना रिपोर्ट की गई थी। पुलिस अधीक्षक ने मामले के मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए चार टीमें गठित की थीं। ये टीमें लगातार आरोपी की तलाश कर रही थीं।

आरोपी की गिरफ्तारी

1 सितंबर, 2026 को सुबह करीब 4 बजे पुलिस को मुख्य आरोपी के भागने की सूचना मिली। चरवा पुलिस थाना क्षेत्र के 13 मील सराय सहावा रोड पर पुलिस ने तुरंत घेराबंदी की। खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चलाई, जिस पर पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। गोली लगने से घायल आरोपी ने अपनी पहचान नौशाद पुत्र निजामुद्दीन निवासी मनौरी के रूप में बताई। उसे तुरंत मंझनपुर के जिला अस्पताल ले जाया गया, और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

नौशाद के पटाखा गोदाम पर चला बुलडोजर

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के बाद सीएम के निर्देश पर प्रशासन ने देर शाम बड़ी कार्रवाई की। डीएम अमित पाल के निर्देश पर घटनास्थल से 400 मीटर दूर आरोपी नौशाद का पटाखा गोदाम जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया।डीएम ने कहा कि आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की जाएगी। बताया गया कि नौशाद ने घटनास्थल के पास ही पटाखों का गोदाम बना रखा था। हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम ने गोदाम की जांच की। इसके बाद देर शाम जेसीबी की मदद से गोदाम को जमींदोज कर दिया गया।डीएम ने बताया, फैक्टरी का लाइसेंस 2024 में ही समाप्त हो गया था। इसके बावजूद फैक्टरी का संचालन कैसे जारी रहा, इसकी जांच कराई जाएगी। हादसे के बाद प्रशासन अब फैक्टरी और गोदाम से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच कराने की तैयारी में है। अधिकारियों ने घटना के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

यह है मामला

पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। 11 लोगों की मौत हो चुकी है। करीब पांच लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इसमें तीन वेंटीलेटर पर हैं।

एससीओ शिखर सम्मेलन: पीएम मोदी ने जिनपिंग से मिलाया हाथ, पूछा हालचाल; शहबाज शरीफ ताकते रह गए मुंह

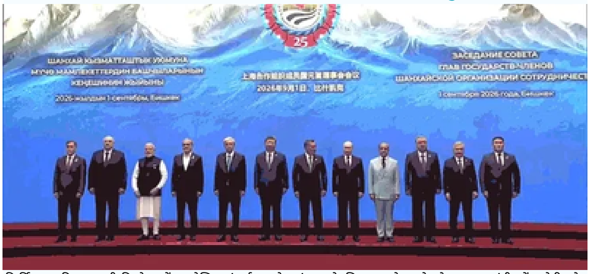

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अनौपचारिक बातचीत देखने को मिली। सम्मेलन में शामिल नेताओं ने पहले सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ को पूरी तरह से नजरअंदाज किया। किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ के शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मुलाकात की। 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए विश्व नेताओं के साथ पीएम मोदी ने ग्रुप फोटो में हिस्सा लिया। इसके बाद दोनों ही नेताओं ने साथ में चहलकदमी करते हुए एक-दूसरे का हालचाल लिया। दिलचस्प बात ये रही कि इस दौरान ग्रुप फोटो का हिस्सा रहे पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी वहां हाथ बांधे खड़े थे। न्यूज एजेंसी एएनआई की ओर से जारी वीडियो में देखा जा सकता है कि तमाम वैश्विक नेता तस्वीर खिंचाने के लिए एक साथ खड़े हुए। इसके बाद जब सभी लोग बाहर जाने लगे तो इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बातचीत हुई। वहीं, पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ की ओर उन्होंने ध्यान तक नहीं दिया।

पीएम मोदी और पुतिन की एक दिन पहले हुई थी मुलाकात

एससीओ सम्मेलन से एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात की थी। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में रूस-यूक्रेन युद्ध का मुद्दा प्रमुख रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने युद्ध को खत्म करने और बातचीत के जरिए समाधान तलाशने की जरूरत पर जोर दिया था।

गलवान के बाद भारत-चीन संबंधों में आया तनाव

भारत और चीन के रिश्तों में वर्ष 2020 के बाद से तनाव बना हुआ है। जून 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस घटना के बाद सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ गया और द्विपक्षीय संबंधों पर भी इसका असर पड़ा। इसके बाद दोनों देशों ने सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए कई दौर की सैन्य और कूटनीतिक बातचीत की है। हालांकि, सीमा विवाद भारत-चीन संबंधों में अब भी एक अहम मुद्दा बना हुआ है।

कांग्रेस: राहुल पर एफआईआर को लेकर भड़के सैम पित्रोदा, मोहन भागवत को घेरा; बोले- कथनी और करनी में फर्क क्यों?

सैम पित्रोदा ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 'मानवता की एकता' वाले बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि कथनी से ज्यादा करनी मायने रखती है। उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ की और 7.8% जीडीपी ग्रोथ के फायदे आम लोगों तक पहुंचने पर सवाल उठाया। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने अमेरिका में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के हालिया कार्यक्रम और उनके 'मानवता की एकता' वाले बयान पर सवाल उठाए हैं। पित्रोदा ने कहा कि केवल बयान देने से बात नहीं बनती, बल्कि किसी विचार की असली परीक्षा उसके अमल में होती है।

भागवत के बयान पर पित्रोदा ने क्या कहा?

मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में कहा था कि अलग-अलग धर्म भले ही अलग रास्तों पर चलते हों, लेकिन मानवता और सत्य एक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हर इंसान की गरिमा समान है। भागवत के इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पित्रोदा ने कहा कि भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी और बौद्ध समुदाय के लोगों से पूछा जाना चाहिए कि वे मौजूदा हालात को किस तरह देखते हैं। पित्रोदा ने कहा कि एक तरफ सभी का सम्मान करने की बात कही जाती है और दूसरी तरफ किसी के साथ मारपीट की घटनाएं होती हैं। उनके मुताबिक, 'बातों से ज्यादा काम मायने रखता है।'

अमेरिका में भागवत के कार्यक्रम को लेकर क्यों हुआ विवाद?

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अपने संगठन के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क अभियान के तहत अमेरिका पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भारतीय प्रवासियों, भारतीय-अमेरिकी कारोबारियों और विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। न्यूयॉर्क में उनके कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक विरोध भी देखने को मिला। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भागवत की यात्रा का विरोध किया था। कुछ नगर परिषद सदस्यों ने भी कार्यक्रम स्थल पर आयोजन रद्द करने की मांग की थी।

राहुल गांधी पर FIR को लेकर क्या बोले सैम पित्रोदा?

हल्द्वानी में शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज FIR पर भी पित्रोदा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस नेता की तारीफ करते हुए राहुल गांधी को मजबूत और दृढ़ नेता बताया। पित्रोदा ने दावा किया कि देश की संस्थाओं में सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण का असर पड़ा है। उन्होंने न्यायपालिका, चुनाव आयोग, प्रवर्तन निदेशालय और स्थानीय पुलिस समेत कई संस्थाओं की स्वतंत्र भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए। पित्रोदा ने हाल में संपन्न संसद के मानसून सत्र को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि संसद में बहस के दौरान कई बार एक-दूसरे पर चिल्लाने की स्थिति दिखाई देती है। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार कई मुद्दों पर दबाव में नजर आई।

भारत की 7.8 फीसदी GDP ग्रोथ पर पित्रोदा ने क्या सवाल उठाया?

भारत की वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 फीसदी वास्तविक जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों पर भी सैम पित्रोदा ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास का आकलन केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि उसका फायदा आम लोगों तक कितना पहुंचा। पित्रोदा ने पूछा कि क्या यह वृद्धि देश के लोगों के लिए है या इसका लाभ केवल कुछ लोगों तक सीमित है। उन्होंने महंगाई का जिक्र करते हुए पेट्रोल, गैस, भोजन और किराये की बढ़ती लागत पर भी सवाल उठाया। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही। इसी अवधि में वास्तविक GVA में 8.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। पहली तिमाही की वास्तविक जीडीपी 81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र जीडीपी 88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जिसमें 10.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

पित्रोदा ने पर्यावरण और नेपाल बाढ़ का भी मुद्दा उठाया

पित्रोदा ने आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि दुनिया को केवल सत्ता और मुनाफे पर ध्यान देने के बजाय लोगों और पर्यावरण को केंद्र में रखना चाहिए। नेपाल में आई बाढ़ का जिक्र करते हुए उन्होंने हिमालयी क्षेत्र में सड़क और बांध जैसी परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या ऐसी परियोजनाओं से पहले पर्याप्त पर्यावरणीय अध्ययन किए गए हैं।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में चाकूबाजी: महिला ने दो लोगों को मारा चाकू, पुलिस की गोली से हमलावर ढेर

न्यूयॉर्क के बेहद व्यस्त टाइम्स स्क्वायर इलाके में सोमवार को हुई हिंसक घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। 49 वर्षीय महिला ने अचानक दो लोगों पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने महिला को समझाने की कोशिश की। महिला के हथियार छोड़ने से इनकार करने और पुलिसकर्मियों को धमकी देने के बाद दो अधिकारियों ने गोली चला दी। अमेरिका में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में एक महिला ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने हमलावर महिला को गोली मार दी, जिससे उसकी भी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि हमले में घायल एक महिला की भी मौत हो गई। सोमवार को हुई यह घटना न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की एक चौकी के पास वन टाइम्स स्क्वायर के ठीक बाहर हुई। इसी इमारत में शहर में हर साल होने वाले नववर्ष की पूर्व संध्या के बॉल ड्रॉप कार्यक्रम का आयोजन होता है। यह न्यूयॉर्क के सबसे ज्यादा पर्यटकों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी वाले इलाकों में से एक है।

घायल महिला की अस्पताल में हुई मौत

पुलिस के अनुसार, क्वींस की रहने वाली 49 वर्षीय महिला ने खरीदारी के बैग से दो चाकू निकाले। उसने पहले 68 वर्षीय व्यक्ति के पेट में चाकू मारा। इसके तुरंत बाद उसने 32 वर्षीय महिला के पेट में भी चाकू मार दिया। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, महिला की मौत हो गई, जबकि पुरुष की हालत स्थिर है। पुलिस ने यह नहीं बताया कि दोनों पीड़ित शहर घूमने आए पर्यटक थे या स्थानीय निवासी। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में कम से कम 10 पुलिसकर्मी महिला को घेरे दिखाई दे रहे हैं। उसके हाथ में रसोई में इस्तेमाल होने वाले दो बड़े चाकू थे। पुलिस आयुक्त जेसिका टिश ने सोमवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिसकर्मियों ने कई मिनट तक महिला को चाकू छोड़ने के लिए समझाने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने उस पर टेजर का इस्तेमाल किया।

हमलावर महिला को पुलिस ने मारी गोली

टिश के अनुसार, महिला ने पुलिसकर्मियों से कहा, "मैं कुछ नहीं छोड़ रही हूं, मैं तुम दोनों को मारना पसंद करूंगी।" इसके बाद दो पुलिसकर्मियों ने महिला को गोली मार दी। राहगीरों द्वारा बनाए गए वीडियो में महिला जमीन पर गिरती दिखाई दे रही है। इसके बाद एक पुलिसकर्मी ने उसके हाथ में हथकड़ी लगाई। पुलिसकर्मियों ने उसे पीठ के बल लिटाया और प्राथमिक उपचार दिया।

टिश ने कहा, "यह टाइम्स स्क्वायर के बीचोंबीच सामने आई बेहद खतरनाक स्थिति थी, जो दुनिया का चौराहा है।" टिश ने बताया कि महिला का न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के पास मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा रिकॉर्ड था, लेकिन उसका कोई गिरफ्तारी रिकॉर्ड नहीं था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टिश ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिले कि यह आतंकवादी हमला था।

हमले के बाद क्या बोले मेयर ममदानी?

पुलिस के अनुसार, पीड़ितों के नाम उनके परिजनों को सूचना दिए जाने तक जारी नहीं किए गए हैं। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा, "हम जानते हैं कि आज जो हुआ, उससे उन परिवारों की जिंदगी बिखर गई है और हम आने वाले घंटों, दिनों और हफ्तों में उनके साथ खड़े रहेंगे।"

न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने 7वीं एवेन्यू के एक हिस्से को बंद कर दिया और लोगों को इलाके से दूर रहने की चेतावनी दी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी थी और बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी वहां जांच में जुटे थे।

न्यूयॉर्क-न्यूजर्सी के परिवारों में मातम: हमेशा अंतिम यात्रा बता कैलाश जाती थीं अमिता...इस बार नहीं लौटीं

- चुनाव अभियान के तहत हजारों डॉलर देकर बनवाए जा रहे वीडियो।
- दर्शकों को पेड संदेश की नहीं देते जानकारी।
- सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को पैसे देकर अपना प्रचार करा रहे अमेरिकी नेता।

अमेरिका में चुनाव प्रचार का मैदान तेजी से सोशल मीडिया की ओर खिसक रहा है। उम्मीदवार और उनके अभियान अब टीवी विज्ञापनों और रैलियों के साथ लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी अपने संदेश का माध्यम बना रहे हैं। लाखों फॉलोअर्स वाले इन क्रिएटर्स की सामान्य वीडियो सामग्री दर्शकों को पारंपरिक राजनीतिक विज्ञापन की तुलना में ज्यादा सहज और विश्वसनीय लगती है।

चिंता की बात यह है कि कई मामलों में इन्फ्लुएंसर्स को हजारों डॉलर देकर उम्मीदवारों या राजनीतिक मुद्दों के समर्थन में वीडियो बनवाए गए, लेकिन दर्शकों को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया कि इन पोस्ट के लिए भुगतान किया गया है। इससे किसी इन्फ्लुएंसर की निजी राय और पैसे लेकर तैयार किए गए राजनीतिक संदेश के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। पेड प्रचार का यह नेटवर्क न्यूयॉर्क टाइम्स की पड़ताल में सामने आया है। पड़ताल के दौरान पाया गया कि कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए उम्मीदवार टॉम स्टेयर के अभियान ने फरवरी से अगस्त के बीच कम से कम 17 इन्फ्लुएंसर्स को 5,000 डॉलर या उससे अधिक का भुगतान किया।

इनमें टिकटॉक पर 14 लाख से अधिक फॉलोअर्स वाले कार्लोस एडुआर्डो एस्पिना भी शामिल थे। पूर्व प्रतिनिधि कैटी पोर्टर के अभियान ने 12 इन्फ्लुएंसर्स को कुल 1,39,500 डॉलर दिए। लाइफस्टाइल क्रिएटर एवरी साइरस को एक पोस्ट के लिए 25,000 डॉलर मिले। असल मुद्दा यह नहीं कि इंफ्लुएंसर्स प्रचार का हिस्सा बन रहे, बल्कि सवाल यह है कि लोगों के सामने जाहिर की जा रही उनकी राय कितनी स्वतंत्र है।

पेड पोस्ट संबंधी नियमों का उल्लंघन

कैलिफोर्निया में राजनीतिक पेड पोस्ट के लिए भुगतान की जानकारी देने के नियम हैं, लेकिन उनका पालन नहीं हो रहा। कैटी पोर्टर के समर्थन में इन्फ्लुएंसर्स की तीन ऐसी टिकटॉक पोस्ट सामने आईं, जिनमें भुगतान का खुलासा नहीं था। सात अन्य पोस्ट में यह जानकारी कमेंट सेक्शन में थी, जहां सामान्य दर्शक का ध्यान आसानी से नहीं जाता। पेड राजनीतिक पोस्ट के लिए स्पष्ट नियम केवल कुछ अमेरिकी राज्यों में ही हैं और वे मुख्यतः राज्य तथा स्थानीय चुनावों पर लागू होते हैं। फेडरल इलेक्शन कमीशन के सामने ऐसे नियमों के प्रस्ताव तो आए हैं, लेकिन व्यवस्था लागू हुई है।

लोगों को अभियान राजनीतिक होने की नहीं लगती भनक

यह साठगांठ केवल उम्मीदवार और इन्फ्लुएंसर के बीच सीधे भुगतान तक सीमित नहीं है। कई मामलों में मार्केटिंग एजेंसियां और डिजिटल कंटेंट कंपनियां बीच की कड़ी बनती हैं। इससे यह पता लगाना और कठिन हो जाता है कि किसी वीडियो के पीछे राजनीतिक अभियान का पैसा है या वह वास्तव में क्रिएटर की स्वतंत्र राय है।

कई राज्यों तक फैला नेटवर्क

पेज डनमेयर के मामले में पाया गया कि उन्होंने कैलिफोर्निया में स्टेयर के समर्थन में वीडियो बनाए और बाद में मिशिगन तथा विस्कॉन्सिन के राजनीतिक मुद्दों पर भी सामग्री पोस्ट की।

जीडीपी: पीएम मोदी बोले- दुनिया संकटों से घिरी, फिर भी भारत ने हासिल की 7.8% विकास दर; आत्मनिर्भर बनना जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर नया वीडियो शेयर कर भारत की 7.8% विकास दर पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस रफ्तार को बनाए रखने के लिए आत्मनिर्भर भारत जरूरी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की 7.8 प्रतिशत आर्थिक विकास दर को लेकर देशवासियों को बधाई दी है। पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो साझा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश की सामूहिक शक्ति, संकल्प और मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और संकट के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

7.8% ग्रोथ पर पीएम मोदी ने क्या कहा?

पीएम मोदी ने कहा कि 7.8 प्रतिशत की विकास दर हासिल करना देश के लिए खुशी की बात है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय देशवासियों की संकल्प शक्ति और पुरुषार्थ को दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया के कई हिस्से युद्ध और संकट से घिरे हैं। अलग-अलग क्षेत्रों से युद्ध की खबरें सामने आ रही हैं और वैश्विक सप्लाई चेन भी प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि 2020 के कोविड काल के बाद से दुनिया में स्थिरता पूरी तरह लौटती नहीं दिखी है, इसके बावजूद भारत तेज गति से प्रगति कर रहा है।

विपक्ष पर पीएम मोदी ने क्या निशाना साधा?

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ भारत तमाम वैश्विक चुनौतियों को पार करते हुए आगे बढ़ रहा है, वहीं देश के भीतर कुछ लोग निराशा और झूठ का माहौल बनाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी चुनौतियों के बीच भारत ने 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की है। अब देश को इस आर्थिक रफ्तार को बनाए रखना है और विकास की गति को और आगे ले जाना है।प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर जरूरत न हो तो सोना खरीदने से भी बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश जितना अधिक स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर देगा, उतना ही भारत की आर्थिक मजबूती बढ़ेगीपीएम मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक देश अपनी युवा पीढ़ी को विकसित भारत सौंपेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों को आज की मेहनत और संकल्प के जरिए पूरा करना होगा। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपने पुरुषार्थ में कोई कमी न रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति सही दिशा में है और नीयत साफ है।

सोना खरीदने को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा?

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति को और मजबूत करने के लिए आत्मनिर्भर भारत का निर्माण जरूरी है। उन्होंने देशवासियों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों को 'मेड इन इंडिया' को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विदेशों में घूमने और शादी करने जैसी प्रवृत्तियों से बचने की भी अपील की।पीएम मोदी के मुताबिक, 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक शक्ति भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जा रही है। उन्होंने देशवासियों से 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ की खुशी मनाने के साथ आगे के लिए नया संकल्प लेने और उसे पूरा करने की दिशा में मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

अमेरिका-वेनेजुएला तेल समझौता: 17 इलाकों पर 100 साल का अधिकार, कंपनी में पेंटागन को 35% हिस्सा; और क्या शामिल?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने वेनेजुएला के ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा निवेश और नियंत्रण हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। प्रस्तावित साझेदारी में अमेरिकी सरकार और नॉर्थ अमेरिकन ब्लू एनर्जी पार्टनर्स मिलकर एक नई निजी कंपनी बनाएंगे। समझौते के तहत पेंटागन को कंपनी में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलने की बात कही गई है। आइए जानते हैं इस तेल समझौते में अमेरिका को और क्या-क्या फायदा मिला है...व्हाइट हाउस ने सोमवार को कहा कि अमेरिका नॉर्थ अमेरिकन ब्लू एनर्जी पार्टनर्स के साथ साझेदारी कर रहा है। यह एलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला के तेल उद्योग तक पहुंच बनाने के प्रयास के तहत किया गया है। इस समझौते के तहत पेंटागन को वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार के करीब पांचवें हिस्से पर हिस्सेदारी मिलेगी।वेनेजुएला के कारोबारी अलेजांद्रो बेटनकोर्ट की कंपनी नॉर्थ अमेरिकन ब्लू एनर्जी पार्टनर्स पहले से ही वेनेजुएला में शेवरॉन के बाद दूसरी सबसे बड़ी तेल परिचालक कंपनी है। व्हाइट हाउस के अनुसार, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज कंपनी को 17 तेल क्षेत्रों पर 100 वर्षों के अधिकार दे रही हैं। इन क्षेत्रों में 65 अरब बैरल के प्रमाणित तेल भंडार हैं। इनमें से कई तेल क्षेत्र पहले रूसी या चीनी कंपनियों के पास थे।व्हाइट हाउस ने समझौते से जुड़े एक तथ्य पत्रक में कहा, "नॉर्थ अमेरिकन ब्लू एनर्जी पार्टनर्स के पास प्रतिष्ठित अमेरिकी लेखा परीक्षक, वकील और सलाहकार होंगे। ।"

ट्रंप प्रशासन ने सोमवार रात इस समझौते से जुड़ी और जानकारी जारी की। ट्रंप ने कुछ दिन पहले इसे इतिहास का सबसे बड़ा तेल समझौता बताया था। हालांकि, विश्लेषकों ने इस समझौते पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि वेनेजुएला में तेल उत्पादन को फिर से बढ़ाने में कई साल लग सकते हैं।

अमेरिका ने कैसे रूस और चीन को दिया झटका?

इसके बावजूद ट्रंप और उनके सहयोगी इसे पश्चिमी गोलार्ध में एक नए तेल महाशक्ति के विकास के अवसर के तौर पर पेश कर रहे हैं। समझौते के तहत अमेरिका, नॉर्थ अमेरिकन ब्लू एनर्जी पार्टनर्स के साथ एक संयुक्त उद्यम के रूप में निजी कंपनी बनाएगा। व्हाइट हाउस ने कई दिनों तक इस जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया था।

समझौते में अमेरिका को क्या-क्या मिला?

व्हाइट हाउस ने सोमवार को बताया कि इस समझौते के तहत पेंटागन को कंपनी में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। वहीं, विदेश विभाग को कुल उत्पादन का 20 प्रतिशत लागत मूल्य पर खरीदने की गारंटी मिलेगी। बेटनकोर्ट की कंपनी ने तेल से जुड़े नए बुनियादी ढांचे में 100 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश करने पर सहमति जताई है।ट्रंप जनवरी में हुए उस सैन्य अभियान के बाद से वेनेजुएला में तेल उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं, जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को संघीय नार्को आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों में पकड़ा गया था। व्हाइट हाउस ने दावा किया कि यह समझौता अमेरिका के लिए "शून्य लागत" पर होगा। साथ ही, सरकार को कंपनी के निदेशक मंडल के सदस्यों पर वीटो का अधिकार होगा, जिनमें अधिकांश अमेरिकी नागरिक होंगे। अमेरिकी सरकार के पूर्व ऊर्जा सलाहकारों ने इस समझौते में राजनीतिक जोखिम होने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि वेनेजुएला या अमेरिका में भविष्य में आने वाली सरकारें इस समझौते को चुनौती दे सकती हैं।

एक्सप्लेनर: क्या गंदे-फटे नोटों से मिलेगा छुटकारा, कितनी सच है प्लास्टिक करेंसी में जानवरों की चर्बी वाली बात?

भारत में पॉलिमर यानी प्लास्टिक आधारित करेंसी लाने की तैयारी हो रही है। सरकार ने ₹10 और ₹20 के पॉलिमर नोटों के परीक्षण को मंजूरी दी है। इनका मकसद छोटे मूल्यवर्ग के नोटों को ज्यादा टिकाऊ बनाना और बार-बार बदलने की जरूरत कम करना है। प्लास्टिक करेंसी को लेकर कई तरह के दावे और चर्चाएं भी हैं। अब देखना होगा कि इन दावों के पीछे कितनी सच्चाई है और नई करेंसी आपकी जेब तक कब पहुंचती है?जेब में रखा नोट कुछ ही समय में मुड़ जाता है, गंदा हो जाता है और कई बार फट भी जाता है। इसी समस्या के बीच भारत में पॉलिमर यानी प्लास्टिक आधारित नोट लाने की तैयारी हो रही है। इसे लेकर कई तरह की बातें और अफवाहें भी चल रही हैं कि क्या कागज के नोट बंद हो जाएंगे? क्या प्लास्टिक के नोट ज्यादा टिकेंगे? यह कैसे अलग है? आखिर सरकार ने क्या मंजूरी दी है? क्या इन नोटों में पशु की चर्बी से बनी सामग्री भी डाली जाएगी? ये नोट कब तक आपकी जेब में आएंगे? इससे क्या बदलेगा? आइए जानते हैं...

क्या है पॉलिमर नोट?

पॉलिमर नोट कागज के बजाय एक खास प्लास्टिक आधारित सामग्री से बनाए जाते हैं। इनकी सबसे बड़ी खासियत इनका ज्यादा टिकाऊ होना है। पॉलिमर सामग्री पानी, गंदगी और फटने के मामले में कागज की तुलना में ज्यादा मजबूत होती है।इसका फायदा खासकर उन छोटे नोटों में हो सकता है जो रोजाना बहुत ज्यादा इस्तेमाल होते हैं। ऐसे नोट जल्दी खराब हो जाते हैं और उन्हें बार-बार बदलना पड़ता है। पॉलिमर नोट ज्यादा समय तक चलें तो नए नोट छापने और पुराने नोट बदलने की जरूरत कम हो सकती है।

सरकार ने अभी क्या मंजूरी दी है?

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश के बाद सरकार को पॉलिमर नोटों के क्षेत्रीय परीक्षण का प्रस्ताव भेजा था। यह प्रस्ताव भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत भेजा गया था। सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके तहत 10 और 20 रुपये के एक-एक अरब पॉलिमर नोट, यानी कुल दो अरब नोटों का क्षेत्रीय परीक्षण किया जाएगा। अगर परीक्षण सफल रहा तो इन दोनों मूल्यवर्ग के पॉलिमर नोटों को नियमित रूप से जारी किया जा सकता है।पॉलिमर सामग्री में सुरक्षा विशेषताओं को शामिल करने की क्षमता मांगी गई है। इसमें पारदर्शी खिड़की में चित्र, धातु जैसा अंक, चुंबकीय सुरक्षा धागा, छाया चित्र और चमक बदलने वाला पैटर्न जैसी विशेषताएं शामिल हैं। इस तरह सुरक्षा संबंधी कुछ विशेषताओं को पॉलिमर सामग्री में ही शामिल किया जा सकता है।इस तरह की बातें सिर्फ कोरी अफवाह हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी टेंडर में पॉलिमर सामग्री को लेकर एक खास शर्त रखी गई है। इसमें पशु वसा यानी एनिमल टैलो या पशु का डीएनए नहीं होना चाहिए

Income Tax Return: आयकर रिटर्न दाखिल करने में नया कीर्तिमान, विभाग ने बताया- 7.8 करोड़ से अधिक आईटीआर जमा

आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 31 अगस्त 2026 तक रिकॉर्ड 7.8 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। आयकर विभाग ने इस उपलब्धि की जानकारी दी। आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने में एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित हुआ है। 31 अगस्त 2026 तक कुल 7.8 करोड़ से अधिक आईटीआर सफलतापूर्वक जमा किए गए हैं। आयकर विभाग ने मंगलवार को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी दी। यह आंकड़ा देश में कर अनुपालन की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। विभाग ने अपनी आधिकारिक एक्स पोस्ट के माध्यम से इस रिकॉर्ड की घोषणा की। यह संख्या पिछले आकलन वर्ष 2025-26 की तुलना में काफी अधिक है। पिछले साल 7.3 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न 16 सितंबर 2025 तक दाखिल हुए थे। वह गैर-लेखापरीक्षित मामलों के लिए विस्तारित अंतिम तिथि थी। इस वर्ष की निर्धारित अंतिम तिथि तक ही यह रिकॉर्ड संख्या हासिल कर ली गई है। इस उपलब्धि से कर संग्रह में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। यह करदाताओं की सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी की भावना को दर्शाता है।कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत कंपनियों को आईटीआर-6 प्रपत्र भरना होता है। ट्रस्ट और धर्मार्थ संस्थान अपनी आय और व्यय की जानकारी के लिए आईटीआर-7 प्रपत्र का उपयोग करते हैं।

क्या है इस रिकॉर्ड संख्या का महत्व?

इस विशाल संख्या में 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर-1 और आईटीआर-2 भी शामिल हैं। इन प्रपत्रों को 31 जुलाई की निर्धारित अंतिम तिथि तक दाखिल किया गया था। 31 अगस्त 2026, उन करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। ये वे करदाता थे जिनकी आय कारोबार या पेशेवर स्रोतों से थी। साथ ही, वे किसी भी लेखापरीक्षण के अधीन नहीं थे। यह रिकॉर्ड दर्शाता है कि बड़ी संख्या में करदाताओं ने समय पर अपनी जिम्मेदारियां पूरी की हैं।

बिना ऑडिट की जरूरत वाले करदाता कौन से प्रपत्र भरते हैं?

गैर-लेखापरीक्षित श्रेणी में आने वाले करदाता अपनी आय और स्रोत के अनुसार लागू आईटीआर प्रपत्र दाखिल कर सकते हैं। इस श्रेणी में आईटीआर-3,आईटीआर-4, आईटीआर-5 या आईटीआर-7 जैसे प्रपत्र शामिल हैं। आईटीआर-3 उन व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा भरा जाता है। इनकी आय एकल स्वामित्व वाले कारोबार या किसी पेशे से होती है। यह प्रपत्र ऐसे करदाताओं के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है।आईटीआर-4 एक सरल प्रपत्र है। यह छोटे और मध्यम करदाताओं की जरूरतों को पूरा करता है। आईटीआर-5 फर्मों, सीमित देयता भागीदारी और सहकारी समितियों द्वारा दाखिल किया जाता है।

Gold-Silver Price: सोने की चमक फिर बढ़ी, चांदी 2.5 लाख के पार; तांबा-जिंक समेत इन धातुओं में भी बढ़े दाम

Gold-Silver Price: त्योहारों से पहले सोना-चांदी समेत औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और लेड महंगे होने से पंखे, एसी, फ्रिज, टीवी, वाहन और घर बनाने की लागत बढ़ सकती है। ऐसे में क्या आने वाले दिनों में आम लोगों की जेब पर महंगाई का बोझ और बढ़ेगा? पढ़िए रिपोर्ट-त्योहारों से ठीक पहले कमोडिटी बाजार में हलचल मची हुई है। कीमती धातुओं और औद्योगिक धातुओं दोनों में एकसाथ तेजी आ रही है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा बॉन्ड बायबैक कार्यक्रम के विस्तार के बाद डॉलर सूचकांक गिरकर 98 के स्तर पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सभी धातुओं की कीमत डॉलर में तय होती है। डॉलर कमजोर होने पर खरीदारों के बीच मेटल्स की मांग बढ़ गई है, जिसका असर कीमतों पर दिखाई दे रहा है। अगर कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो जल्द ही तमाम चीजें महंगी होंगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने ने सोमवार को 4729.70 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ। वहीं घरेलू बाजार एमसीएक्स पर सोने ने 1.43 फीसदी की तेजी के साथ 164,758 रुपये प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी में भी लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त जारी रही। सोमवार को यह 3,500 रुपये चढ़कर 2,53,500 रुपये प्रति किलोग्राम के चार महीने से अधिक के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई। कॉमेक्स पर चांदी ने 69.66 डॉलर प्रति औंस का शीर्ष स्तर छुआ।

एल्युमीनियम और जिंक में गजब की तेजी

पिछले दो महीने में तांबा 9.68%, एल्युमीनियम 4.88 फीसदी और जिंक 15.48 फीसदी चढ़ा है। जबकि एक साल में तांबा 54.74 फीसदी, एल्युमीनियम 38.45 फीसदी, लेड 9.24 फीसदी और जिंक 55.46 फीसदी महंगा हुआ है।

द बोनस मार्केट अपडेट: भारतीय बाजार की मिली-जुली शुरुआत, क्या कच्चे तेल की कीमतें निवेशकों के लिए चिंता का विषय

भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बीच सकारात्मक रुख के साथ कारोबार समाप्त किया। ब्रेंट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें निवेशकों के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। जानें निफ्टी के लिए आगे क्या है और वैश्विक बाजारों का हाल। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे दायरे में कारोबार किया। हालांकि, बाजार दिन के उच्चतम स्तर के करीब सकारात्मक क्षेत्र में बंद होने में सफल रहा। निवेशकों के लिए ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहना एक मुख्य चिंता का विषय है, जिससे बाजार की धारणा सतर्क बनी हुई है।आज, 1 सितंबर 2026 को सुबह 9:30 बजे, भारतीय बाजार में सेंसेक्स 76,952.08 पर खुला। इसमें पिछले बंद के मुकाबले 5.19 अंकों की मामूली गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी भी 24,065.05 पर खुला, जो 15.36 अंक नीचे था। घरेलू विकास में मजबूती, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण और पोर्टफोलियो से संबंधित निवेश प्रवाह के चलते मंगलवार सुबह रुपया 26 पैसे बढ़कर 94.96 प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रहा था।ऊर्जा लागत में वृद्धि से महंगाई बढ़ने की आशंका रहती है। इससे केंद्रीय बैंकों पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव भी बना रह सकता है।

विश्लेषकों का कहना है कि निफ्टी के लिए शुक्रवार के उच्चतम स्तर और 50-दिवसीय ईएमए (लगभग 24,190) से ऊपर लगातार बढ़ोतरी महत्वपूर्ण है। यह बढ़ोतरी आगामी सत्रों में निफ्टी को 24,300-24,350 के क्षेत्र की ओर वापसी को बढ़ावा दे सकती है। वहीं, गिरावट की स्थिति में, यदि निफ्टी साप्ताहिक निचले स्तर 24,076 से नीचे टूटता है, तो निकट अवधि का दृष्टिकोण कमजोर हो सकता है। यह स्तर बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण समर्थन बिंदु है।टोक्यो समय के अनुसार दोपहर 12:09 बजे तक एसएंडपी 500 वायदा में थोड़ा बदलाव देखा गया। निक्केई 225 वायदा (ओएससी) में 0.4 फीसदी की गिरावट आई, जबकि जापान का टॉपिक्स 0.5 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.3 फीसदी गिरा। हांगकांग का हैंग सेंग 1.1 फीसदी और शंघाई कंपोजिट 0.2 फीसदी नीचे रहे। यूरो स्टॉक्स 50 वायदा में भी 0.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें लगातार 85 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं। यह बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल सकती हैं।

वह बिल्कुल वैसे हैं, जैसा सब कहते हैं'

शाहरुख को लेकर बोले अक्षय ओबेरॉय साझा किया

Akshay Oberoi: अक्षय ओबेरॉय अपनी नई फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। वह शाहरुख खान के साथ 'किंग' में नजर आने वाले हैं। इस बीच उन्होंने 'किंग' के सेट और शाहरुख के बारे में बात की है। हाल ही में अभिनेता अक्षय ओबेरॉय यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में टोनी नाम के गैंगस्टर के रोल में नजर आए। उन्होंने इसे अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बताया। वह जल्द ही शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आने वाले हैं। उन्होंने 'किंग' के सेट पर शाहरुख खान से हुई मुलाकात के बारे में बताया है।

शाहरुख को लेकर क्या बोले अक्षय?

अक्षय ओबेरॉय ने 'किंग' के लिए अभी तक शाहरुख के साथ स्क्रीन शेयर नहीं की है, मगर वह कहते हैं कि दोनों सेट पर साथ समय बिताते रहे हैं। अभिनेता ने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा 'दुर्भाग्य से हमने साथ में कोई सीन नहीं किया है। मगर वह शूटिंग न होने पर भी सेट पर आते हैं। वह बिल्कुल वैसे ही हैं, जैसा सब कहते हैं। वह बहुत दयालु और अच्छे इंसान हैं। पांच मिनट में ही वह आपसे ऐसे बात करने लगते हैं जैसे आप उनके दोस्त हों। यह उनके स्वभाव में है। ऐसा नहीं है कि वह दिखावा कर रहे हैं। इतने वर्षों तक कोई दिखावा नहीं कर सकता।' 'टॉक्सिक' के बाद 'किंग' जैसी बड़ी फिल्म में काम करने को लेकर अक्षय ओबेरॉय ने कहा, 'मैंने इंडस्ट्री के सबसे बड़े लोगों के साथ काम किया है और हर तरह की फिल्में की हैं। यह साल मेरे लिए सबसे ज्यादा सीखने वाला रहा है। मैं लंबे समय से काम कर रहा हूं, मगर अब मुझे बड़ी फिल्में मिल रही हैं। मेरे अंदर धन्यवाद कहने और तारीफ करने का भाव बढ़ा है।' अक्षय ओबेरॉय 'किंग' के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। वह जोश के साथ कहते हैं, 'मुझे इंडस्ट्री के अपने पसंदीदा लोगों, सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद (निर्माता) के साथ फिर से काम करने का मौका मिला। मैं उस इंसान के लिए कुछ भी कर सकता हूं। उन्होंने मुझ पर बहुत भरोसा किया। मैं 'टॉक्सिक' में उन्हीं की वजह से हूं क्योंकि गीतू मोहनदास ने मुझे 'फाइटर' (2024) में देखा था। छोटी फिल्मों में वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद उन्होंने मुझे मेनस्ट्रीम पहचान दिलाई

किंग' के बारे में जानकारी

फिल्म 'किंग' में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी।

यह शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान की साथ में पहली फिल्म है।

इसमें शाहरुख एक खतरनाक हत्यारे की भूमिका में नजर आ सकते हैं, जबकि सुहाना उनकी शिष्या बनकर ट्रेनिंग लेती नजर आएंगी।

इसमें दीपिका पादुकोण अहम किरदार में होंगी।

अभिषेक बच्चन इसमें खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं।

फिल्म की शूटिंग दक्षिण अफ्रीका और अन्य जगहों पर हुई है।

इसमें अनिल कपूर, रानी मुखर्जी जैसे कई बड़े कलाकार नजर आ सकते है।

यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शाहरुख खान की आने वाली फिल्म 'किंग' को लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आने वाली हैं। वहीं, अक्षय ओबेरॉय का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना और शाहरुख के साथ काम करने का यह अनुभव फिल्म के प्रति दर्शकों की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा रहा है। अक्षय के इन बयानों से साफ है कि पर्दे पर रोमांस के बादशाह कहे जाने वाले शाहरुख खान ऑफ-स्क्रीन भी अपने विनम्र और मददगार स्वभाव से लोगों का दिल जीतना अच्छी तरह जानते है

कभी अमिताभ बच्चन के बचपन का करते थे रोल

अब इस सेक्टर में बनाई पहचान उभरते कलाकारों के लिए करेंगे ये काम

Ravi Valecha: कभी अमिताभ बच्चन के बचपन का रोल करने वाले अभिनेता रवि वलेचा ने अभिनय छोड़ कर शानदार करियर बनाया है। आइए उनकी जिंदगी पर एक नजर डालते हैं। अभिनेता रवि वलेचा 80 के दशक की कई फिल्मों में जूनियर अमिताभ बच्चन का रोल करने के लिए मशहूर थे। उन्होंने फिल्मों से शुरुआत तो की, मगर बड़े होने पर उन्होंने एक अलग रास्ता चुना। उनकी जिंदगी कई मोड़ से गुजरी है। हर मोड़ पर उन्होंने कामयाबी हासिल की।

- 300 से ज्यादा फिल्मों में किया कामरवि ने सिर्फ चार साल की उम्र में फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था।
- वह अपनी पीढ़ी के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले बाल कलाकार में से एक बन गए और उन्होंने हिंदी, तमिल और तेलुगु समेत कई भाषाओं और इंडस्ट्रीज की 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। हालांकि एक्टिंग उनकी जिंदगी का सिर्फ एक हिस्सा थी।
- फिल्मों से दूर होने के बाद, रवि ने खाने-पीने की चीजों में अपनी दिलचस्पी को आगे बढ़ाया।
- अब अपना कामयाब करियर बनाया है।

रवि की पहली फिल्म कौन सी थी?

सिनेमा में उनका सफर 'फकीरा' फिल्म के सेट पर अभिनेता शशि कपूर के साथ हुई एक मुलाकात से शुरू हुआ था।

फिल्म में उन्होंने शबाना आजमी के चार साल के बेटे का किरदार निभाया। छह साल की उम्र तक, रवि 'चीता मेरा यार' में काम कर चुके थे। हालांकि, यह फिल्म कभी रिलीज नहीं हुई।

जैसे-जैसे उनका करियर आगे बढ़ा, वे कई फिल्मों में अमिताभ बच्चन के बचपन का किरदार निभाने के लिए खास तौर पर पहचाने जाने लगे। उनकी शक्ल-सूरत और सुपरस्टार के साथ लगातार काम करने की वजह से उन्हें 'जूनियर अमिताभ बच्चन' का निकनेम मिला। एक चाइल्ड एक्टर के तौर पर उनकी लोकप्रियता के साथ-साथ उन्हें काफी अच्छी कमाई भी हुई। 1980 के दशक में अपने करियर के पीक पर रवि को कथित तौर पर हर दिन 3000 से 3500 रुपये मिलते थे।यह रकम आज के हिसाब से महंगाई को देखते हुए लगभग 75,000 से 90,000 रुपये के बराबर होती। रवि के मुताबिक बिना बार-बार टेक लिए सीन करने की उनकी काबिलियत एक और बड़ी वजह थी

बादशाह का तलाक: शादी के मात्र पांच महीने बाद दूसरी पत्नी से हुए अलग ईशा रिखी संग रिश्ते पर भी दिया बयान

Badshah Divorce: मशहूर गायक बादशाह ईशा रिखी के साथ लगभग पांच महीने पहले शादी के बंधन में बंधे थे। जुलाई में ही दोनों के अनबन की खबरें आईं। अब बादशाह ने सोशल मीडिया पर अपने तलाक की पुष्टि की है।

सिंगर बादशाह ने ईशा रिखी के साथ शादी के मात्र पांच महीने के बाद ही तलाक की पुष्टि की है। उन्होंने इस साल मार्च में शादी की थी। शादी के लगभग तीन महीने के बाद दोनों के रिश्ते में अनबन की खबरें सामने आने लगी थीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने तलाक की जानकारी दी है।

बादशाह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा 'मैंने और ईशा रिखी ने आपसी सहमति से अलग होने और अपनी-अपनी राहों पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। यह फैसला आपसी सम्मान के साथ लिया गया है। हम सभी से अपील करते हैं कि इस समय हमारी निजता का सम्मान करें। इस मामले पर यह हमारा एकमात्र बयान होगा। हम अपील करते हैं कि हमारे रिश्ते को लेकर आगे कोई अटकलें या धारणाएं न बनाई जाएं।' पहले भी हो चुका तलाक

इससे पहले बादशाह की साल 2012 में जैस्मीन मसीह से शादी हुई थी। दोनों ने साल 2017 में बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम जेसेमी ग्रेस मसीह सिंह है। फिर बादशाह और जैस्मीन मसीह अलग हो गए और दोनों का साल 2020 में तलाक हो गया।

- ईशा रिखी से कैसे मिले बादशाह?बादशाह और ईशा रिखी की मुलाकात एक दोस्त की पार्टी में हुई।
- दोनों के बीच धीरे-धीरे नजदीकियां बढ़ीं और एक-दूसरे को डेट करने लगे।
- दोनों ने कई वर्षों तक अपने रिश्ते को पब्लिक नहीं किया।

हालांकि फैंस उनके रिश्ते को लेकर कयास लगाते रहे।

पहले 2023 में दोनों की शादी की अफवाहें उड़ीं, हालांकि बादशाह ने उन्हें नकार दिया।

बादशाह के पहले तलाक के लगभग छह साल बाद दूसरी शादी की खबर आई।

कौन है ईशा रिखी?

बादशाह जहां म्यूजिक की दुनिया का बड़ा नाम हैं, वहीं उनकी पत्नी ईशा रिखी का सिक्का अभिनय की दुनिया में चलता है। वह मॉडल और एक्ट्रेस हैं।

ईशा रिखी का जन्म 9 सितंबर 1993 को चंडीगढ़ में हुआ था। उनकी स्कूलिंग चंडीगढ़ से ही हुई है। उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री हासिल की। 12वीं क्लास में ईशा ने मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद पंजाबी पंजाबी फिल्मों से करियर की शुरुआत की।

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में ईशा रिखी बड़ा नाम हैं। उन्होंने सिप्पी गिल के साथ पंजाबी फिल्म 'जट्ट बॉयज पुट जट्टान डे' (2013) से अपने करियर की शुरुआत की थी। ईशा पंजाबी एक्टर अमरिंदर गिल के साथ 'हैप्पी गो लकी' (2014) में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने कई अन्य चर्चित पंजाबी फिल्मों में काम किया है। ईशा रिखी फिल्मों के अलावा कई विज्ञापनों में नजर आ चुकी हैं। ईशा अक्षय कुमार और सोनम कपूर के साथ विज्ञापन कर चुकी हैं। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन के साथ भी वह एक ज्वैलरी ब्रांड के विज्ञापन में नजर आ चुकी हैं

वर्ल्डवाइड 300 करोड़ पार हुई 'टॉक्सिक' की कमाई

जानें वीकएंड के बाद 'इरुमुडी' और 'हनुमान अंश' का हाल

Box Office Collection: 'वीकएंड' के बाद लगभग सभी फिल्मों में गिरावट देखी जा रही है। मगर 'टॉक्सिक' की कमाई वीकएंड के मुकाबले काफी कम हो गई है। हालांकि वर्ल्डवाइड इसने 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ओपनिंग डे के बाद 'टॉक्सिक' की कमाई घटी थी। मगर वीकएंड के बाद इसकी कमाई में ज्यादा गिरावट आई है। वर्ल्डवाइड यह 300 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। 'इरुमुडी' की कमाई भी पिछले दिन के मुकाबले आधी हो गई है। वहीं 'हनुमान अंश' का कलेक्शन एक बार फिर घट गया है। 'आवारापन 2' की कमाई लाखों में पहुंच गई है।

फिल्म 'टॉक्सिक' में यश के अलावा कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, नयनतारा और रुक्मिणी वसंत हैं। इसे गीतू मोहनदास ने निर्देशित किया है।

- ओपनिंग डे पर इसने 101.10 करोड़ रुपये से खाता खोला था।
- दूसरे दिन इसने 36.40 करोड़ रुपये कमाए।
- तीसरे यानी रक्षाबंधन के दिन इसने 26.60 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।
- चौथे दिन इसने 24.50 करोड़ रुपये की कमाई की।
- पांचवें दिन इसके कलेक्शन में इजाफा हुआ और इसने 23 करोड़ रुपये कमाए।
- छठे दिन इसने 7.45 करोड़ रुपये का कलेकशन किया।
- इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 221.55 करोड़ रुपये हो चुका है।
- वर्ल्डवाइड इसने 304.5 करोड़ रुपये कमाए हैं

कृति सेनन के विज्ञापन विवाद से जुड़े सवाल पर बचती दिखीं करीना मेघना गुलजार ने संभाली बात दिया ऐसा जवाब

Kareena Kapoor: रक्षाबंधन त्योहार के वक्त कृति सेनन अपने एक ब्रांड विज्ञापन के चलते काफी ट्रोल हुईं थीं। अब हाल ही में इस मामले पर जब करीना कपूर से उनकी राय पूछी गई, तो वे इस सवाल से बचती नजर आईं। जानें क्या है पूरा मामला। कृति सेनन के हालिया राखी विज्ञापन को लेकर चल रहे विवाद के बीच करीना कपूर खान से भी स्क्रीन पर कपड़े पहनने को लेकर सवाल किया गया। हालांकि, करीना इस सवाल का जवाब देने में थोड़ी झिझकती नजर आईं। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

सवाल से असहज हुईं करीना

यह सवाल करीना की आने वाली फिल्म 'दायरा' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान पूछा गया। दरअसल, हाल ही में एक ज्वेलरी ब्रांड ने रक्षाबंधन के मौके पर कृति सेनन का एक विज्ञापन जारी किया था, जिसमें उनके आउटफिट को लेकर सोशल मीडिया पर विवाद शुरू हो गया था। इसी विवाद के बीच करीना से पूछा गया कि क्या स्क्रीन पर वह इस बात को लेकर कोई सीमा तय करती हैं कि वह क्या पहनेंगी और क्या नहीं पहनेंगी। सवाल सुनने के बाद करीना थोड़ी असहज और हिचकिचाती हुई नजर आईं। तभी फिल्म की डायरेक्टर मेघना गुलजार ने बात संभालते हुए जवाब दिया। मेघना ने समझाया कि किसी एक्टर के कपड़े इस बात पर निर्भर करते हैं कि फिल्म में उसका किरदार कैसा है और डायरेक्टर उस किरदार को किस तरह दिखाना चाहता है।

उन्होंने कहा, 'उस फिल्म में किसी महिला या पुरुष का क्या किरदार है, उसके हिसाब से उन्हें कपड़े पहनाए जाएंगे। यह किरदार पर निर्भर करता है। यह डायरेक्टर पर निर्भर करता है। यह सवाल सिर्फ एक एक्टर से पूछना सही नहीं है।'

Aaj ka Rashifal 1 September 2026

कर्क-मीन राशि वाले रहें सावधान, छोटी लापरवाही बढ़ा सकती है आपकी परेशानी

Aaj Ka Rashifal 01 September 2026: जानें मेष से मकर राशि तक आज का दिन आपके लिए कैसा रहेगा और किन क्षेत्रों में मिल सकते हैं शुभ संकेत।

Aaj Ka Rashifal 01 September 2026: सितंबर महीने का पहला दिन यानी 1 सितंबर 2026 कई राशियों के लिए नई उम्मीद, सफलता और खुशियों की सौगात लेकर आ सकता है। आज ग्रह-नक्षत्रों की चाल का असर सभी 12 राशियों के जीवन पर देखने को मिलेगा। किसी राशि के जातकों को करियर और नौकरी में तरक्की के नए अवसर मिल सकते हैं तो किसी को व्यापार में लाभ और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं प्रेम संबंध, पारिवारिक जीवन और स्वास्थ्य के मामले में भी आज का दिन कुछ राशियों के लिए खास रहने वाला है। कुछ राशियों को मेहनत का बेहतर परिणाम मिलने के साथ अचानक कोई खुशखबरी या लाभ मिल सकता है।

मेष

आज का दिन उपलब्धियों की नई कहानी लिख सकता है। लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम आखिरकार पूरा होने से मन को बड़ी राहत मिलेगी। परिवार में आपसी प्रेम और एकजुटता बनी रहेगी। संतान की खुशी के लिए नया वाहन खरीदने का विचार भी हकीकत बन सकता है। हालांकि, सेहत को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। साथ ही, अनजान लोगों की बातों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें, वरना फायदा उठाया जा सकता है।

वृषभ

आज का दिन भले ही सामान्य नजर आए, लेकिन इसके भीतर कई नए अवसर छिपे हो सकते हैं। नई नौकरी का ऑफर आकर्षक लगेगा, फिर भी फिलहाल वर्तमान नौकरी में टिके रहना आपके लिए बेहतर हो सकता है। रिश्तों में भरोसा और मजबूती बढ़ेगी। वरिष्ठों का सहयोग आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। अचानक खर्च सामने आने से थोड़ी चिंता हो सकती है, लेकिन आपकी मेहनत धीरे-धीरे आपको एक नई पहचान दिलाएगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में काम आ सकती है।

मिथुन

आज पैसों के लेन-देन में थोड़ी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए हर सौदा सोच-समझकर करें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात बीती यादों को फिर से ताजा कर देगी। जिम्मेदारियों से पीछे हटने के बजाय पूरे आत्मविश्वास से उनका सामना करें, सफलता आपके करीब आएगी। जीवनसाथी के लिए किया गया छोटा-सा सरप्राइज रिश्ते में फिर से मिठास घोल सकता है। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के साथ रुका हुआ पैसा वापस मिलने की भी उम्मीद है।

कर्क

आज जीवन में कोई सकारात्मक बदलाव दस्तक दे सकता है। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी, लेकिन धैर्य और प्यार से स्थिति आपके नियंत्रण में आ सकती है। आज आपका गुस्सा ही आपकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकता है, इसलिए खुद पर नियंत्रण रखें। भाई-बहनों के साथ चल रहा पुराना विवाद बातचीत से सुलझाने का अच्छा मौका है। लंबे समय से अटका सरकारी काम पूरा होने की खबर आपको काफी राहत दे सकती है।

सिंह

आज दिनभर भागदौड़ और जिम्मेदारियां आपको व्यस्त रखेंगी, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम भी मिलेगा। कारोबार में नई पार्टनरशिप भविष्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। परिवार में शादी-विवाह से जुड़ी कोई पुरानी रुकावट दूर होने से घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा। काम का दबाव शाम तक थकान या सिरदर्द दे सकता है, इसलिए बीच-बीच में आराम जरूर करें। जरूरत पड़ने पर भी उधार लेने से बचें, क्योंकि आगे चलकर यह बोझ बढ़ सकता है।

कन्या

आज आपकी सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है, जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करना। परिवार के बुजुर्गों की सेहत पर विशेष ध्यान दें और उनकी जरूरतों को नजरअंदाज न करें। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन काफी अनुकूल रह सकता है। आपकी लोकप्रियता और लोगों का समर्थन बढ़ेगा। किसी नए पद, जिम्मेदारी या सम्मान की प्राप्ति के संकेत भी हैं। यात्रा करनी पड़े तो जल्दबाजी से बचें और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

तुला

आज आर्थिक संतुलन बनाए रखना आपके लिए सबसे जरूरी रहेगा। कमाई अच्छी हो सकती है, लेकिन अगर खर्चों पर नियंत्रण नहीं रखा तो तनाव बढ़ सकता है। परिवार की निजी समस्याओं को सुलझाने में बाहरी लोगों की सलाह लेने से बचें। किसी वरिष्ठ या अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए सही दिशा दिखा सकती है। सेहत को नजरअंदाज करने से छोटी परेशानी बढ़ सकती है। ऑफिस में अपना ध्यान काम पर बनाए रखें, वरना बॉस की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

वृश्चिक

आज का दिन खुशी, मुलाकात और नए बदलावों की सौगात ला सकता है। दूर रहने वाला कोई प्रिय व्यक्ति अचानक मिल जाए तो मन को गहरा सुकून मिलेगा। घर की सजावट, मरम्मत या रिनोवेशन पर खर्च बढ़ सकता है, लेकिन इससे घर का माहौल और खूबसूरत होगा। छोटे बच्चों की प्यारी फरमाइशें आपका मूड बना देंगी। पैसों से जुड़े मामले सुलझने से रुके हुए काम तेजी पकड़ेंगे। मां की सलाह को नजरअंदाज करने के बजाय उसे ध्यान से सुनना आपके लिए बेहतर रहेगा।

धनु

आज तरक्की के कई रास्ते आपके सामने खुल सकते हैं। कारोबार को नई ऊंचाई देने के लिए बनाई गई योजना उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकती है। दोस्तों के साथ बिताया समय मन का तनाव कम करेगा। संतान की उपलब्धि आपको गर्व महसूस कराएगी। प्रेम जीवन में किसी खास व्यक्ति से मुलाकात या कोई खूबसूरत पल दिन को यादगार बना सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर आने की उम्मीद है।

मकर

आज आपकी प्रगति की रफ्तार तेज रहेगी और आपकी मेहनत दूसरों को साफ नजर आएगी। हालांकि, आपकी तेजी और सफलता कुछ लोगों को पसंद नहीं आएगी, जिससे नए विरोधी भी बन सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में हर कदम सोच-समझकर उठाना जरूरी होगा। सरकारी कामों में सफलता मिलने की संभावना है। दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर रहने से बचें, क्योंकि कोई व्यक्ति जानबूझकर या अनजाने में आपके काम में रुकावट डाल सकता है।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए सुकून, खुशी और पारिवारिक प्रेम लेकर आ सकता है। घर में एकता और सकारात्मक माहौल बना रहेगा। संतान की परीक्षा का अच्छा परिणाम आपकी चिंता दूर कर सकता है। जीवनसाथी को प्रमोशन मिलने से घर में गर्व और खुशी का माहौल बनेगा। भाई-बहनों की कोई सलाह किसी महत्वपूर्ण फैसले में आपके बहुत काम आएगी। दोस्तों के साथ शानदार समय बीतेगा, हालांकि किसी करीबी की सेहत को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है।

मीन

आज छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं। कार्यक्षेत्र में किसी से बहस होने की संभावना है, इसलिए गुस्से में कोई ऐसा शब्द न बोलें जिसका बाद में पछतावा हो। अविवाहित लोगों की जिंदगी में प्यार की नई शुरुआत हो सकती है। कारोबार में किया गया सही निवेश भविष्य में अच्छा लाभ दे सकता है। पार्टनरशिप में जाने से पहले सामने वाले की पूरी जानकारी और शर्तों की अच्छी तरह जांच कर लेना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल 01 सितंबर: सिंह-वृश्चिक राशि वालों की लव लाइफ में आएगा नया मोड़, बढ़ेगी नजदीकी

Aaj Ka Love Rashifal 01 September 2026: जानें आज प्यार और रिश्तों के मामले में सभी 12 राशियों के लिए दिन कैसा रहेगा। पार्टनर और लव लाइफ से जुड़ी खास भविष्यवाणियां यहां पढ़ें।

Aaj Ka Love Rashifal 01 September 2026: सितंबर महीने की शुरुआत प्यार और रिश्तों के लिहाज से कई राशियों के लिए खास रहने वाली है। किसी के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ सकती हैं, तो किसी को अपने पार्टनर के साथ गलतफहमियां दूर करने का मौका मिलेगा। वहीं, सिंगल लोगों के लिए भी आज का दिन नई शुरुआत के संकेत दे सकता है। ग्रहों की स्थिति आपके प्रेम जीवन पर किस तरह असर डालेगी और पार्टनर के साथ आपका रिश्ता आज कैसा रहेगा, यह जानने के लिए पढ़ें सभी 12 राशियों का आज का लव राशिफल। इसमें जानें मेष से लेकर मीन राशि तक प्रेम, रिश्ते, पार्टनर और रोमांस से जुड़ी खास भविष्यवाणियां।

आज का अंक ज्योतिष 01 सितंबर: मूलांक 7-9 वालों को संभलकर लेना होगा फैसला, बढ़ सकती है परेशानी

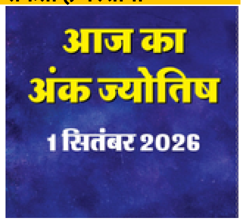

Aaj Ka Ank Jyotish 01 September 2026: जानें मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा और करियर, धन व रिश्तों में क्या खास संकेत मिल रहे हैं।

Ank Jyotish 01 September 2026: सितंबर महीने का पहला दिन यानी 1 सितंबर आपके लिए कैसा रहने वाला है, इसका संकेत आपके जन्मांक यानी मूलांक से मिल सकता है। अंक ज्योतिष के अनुसार आज कुछ मूलांक वाले जातकों के लिए करियर, नौकरी और कारोबार में तरक्की के नए अवसर बन सकते हैं। वहीं, कुछ लोगों को आर्थिक मामलों में लाभ मिलने के साथ रुके हुए काम पूरे होने की उम्मीद है| प्रेम संबंध और पारिवारिक जीवन के लिहाज से भी दिन कुछ मूलांक वालों के लिए खास रह सकता है। हालांकि, कुछ जातकों को बेवजह के खर्च, स्वास्थ्य और रिश्तों को लेकर सतर्क रहने की जरूरत होगी। तो चलिए जानते हैं मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए 1 सितंबर 2026 का दिन कैसा रहेगा और किस मूलांक पर आज भाग्य मेहरबान रहेगा।

Budh Shukra Yog

1 सितंबर से बदलेगी इन 4 राशियों की किस्मत! बुध-शुक्र योग से बढ़ेगा धन और सुख-सुविधाएं

Budh Shukra Yoga: 1 सितंबर से बुध-शुक्र का शुभ योग कुछ राशियों के लिए धन, सुख-सुविधाओं और आर्थिक मजबूती के नए अवसर ला सकता है। ज्योतिष के अनुसार, इन 4 राशियों को इस योग से खास लाभ मिलने की संभावना है।

Budh Shukra Yog Rashifal: ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की स्थिति और उनकी आपसी युति को व्यक्ति के जीवन में होने वाले बदलावों से जोड़कर देखा जाता है। 1 सितंबर 2026 को बुध और शुक्र की विशेष स्थिति से चालीसा योग का निर्माण होने जा रहा है। बुध को बुद्धि, वाणी, तर्क, व्यापार और संचार का कारक माना जाता है, जबकि शुक्र धन, ऐश्वर्य, प्रेम, भौतिक सुख और सुख-सुविधाओं का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इन दोनों शुभ ग्रहों से बनने वाला चालीसा योग कई मामलों में सकारात्मक परिणाम देने वाला माना जा रहा है। चालीसा योग के प्रभाव से जातकों की रचनात्मक क्षमता, संवाद कौशल और व्यावसायिक समझ को मजबूती मिलने की मान्यता है। हालांकि चालीसा योग का असर सभी राशियों पर एक जैसा नहीं रहेगा। कुंडली में ग्रहों की स्थिति के आधार पर इसके परिणाम अलग-अलग हो सकते हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, 4 राशियां ऐसी हैं जिनके लिए 1 सितंबर से बनने वाला यह योग विशेष रूप से लाभकारी रह सकता है। आइए जानते हैं कौन-सी हैं वे भाग्यशाली राशियां।

जन्माष्टमी पर बनेंगे कई शुभ योग, इन 5 राशियों को करियर और धन के मामले में मिलेगा फायदा

Janmashtami 2026 Rashifal: इस बार कृष्ण जन्माष्टमी पर ग्रहों का खास संयोग कुछ राशियों के लिए बेहद शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, इस ग्रह स्थिति से 5 राशियों के जातकों को धन, करियर और भाग्य के मामले में लाभ मिल सकता है। आइए जानते हैं कौन-सी हैं ये भाग्यशाली राशियां।

Janmashtami Lucky Zodiac Signs: श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस बार ग्रहों और नक्षत्रों की खास स्थिति के कारण ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस दिन रोहिणी नक्षत्र के साथ हर्षण और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। वहीं, चंद्रमा के वृषभ राशि में स्थित होने से इस ग्रह स्थिति का महत्व और बढ़ जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इन शुभ संयोगों का सकारात्मक प्रभाव कुछ राशियों पर विशेष रूप से पड़ सकता है। ऐसे में 5 राशियों के जातकों के लिए जन्माष्टमी का यह पर्व धन, सफलता और सौभाग्य के नए अवसर लेकर आ सकता है।

वृषभ राशि

जन्माष्टमी पर बन रहे शुभ ग्रह संयोग वृषभ राशि के जातकों के लिए आर्थिक रूप से सकारात्मक रह सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों को करियर में आगे बढ़ने के नए मौके मिल सकते हैं, वहीं कारोबारियों के लिए भी मुनाफे के अवसर बन सकते हैं। आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे मजबूती आने के संकेत हैं।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए यह समय मानसिक सुकून और पारिवारिक खुशियां लेकर आ सकता है। लंबे समय से बना तनाव कम होने और मन को शांति मिलने की संभावना है। नौकरी करने वालों के लिए परिस्थितियां अनुकूल रह सकती हैं और काम में स्थिरता महसूस होगी। परिवार के सदस्यों के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ सकती है और घर का माहौल बेहतर रहेगा।

इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान: सीरीज गंवाने के बाद पीसीबी का बड़ा फैसला टीम में किए सात बदलाव कोच की भी छुट्टी

पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद बड़ा कदम उठाया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने तीसरे टेस्ट के लिए टीम में सात बदलाव किए हैं। पीसीबी ने सात खिलाड़ियों को स्वदेश बुला लिया है और इनके रिप्लेसमेंट की घोषणा की है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को अप्रत्याशित फैसला लेते हुए इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट से पहले अपनी टेस्ट टीम के सात खिलाड़ियों को स्वदेश वापस बुला लिया और उनकी जगह सात नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया। पीसीबी ने बताया कि मोहम्मद रिजवान, इमाम उल हक, सलमान अली आगा, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद को टीम से रिलीज कर दिया गया है।

बोर्ड ने मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी पद से हटा दिया। उनकी जगह क्रमशः माइक हेसन और एश्ले नॉफ्के को नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स और लॉर्ड्स में खेले गए पहले दो टेस्ट में पाकिस्तान को करारी हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद ये बड़े बदलाव किए गए हैं। तीसरा और अंतिम टेस्ट नौ सितंबर से खेला जाना है। टीम में शामिल किए गए सात नए खिलाड़ी साइम अयूब, अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, साद बेग, मुहम्मद रंधावा, रजाउल्लाह और मुहम्मद इमरान जूनियर हैं।

टीम से जुड़ेंगे सात खिलाड़ी

इन सात खिलाड़ियों में से पांच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि मुहम्मद रंधावा और रजाउल्लाह ने अभी पाकिस्तान का किसी भी स्तर पर प्रतिनिधित्व नहीं किया है। सभी नए खिलाड़ी बर्मिंघम में होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान की टीम से जुड़ेंगे

इमाम उल हक पर हो सकती कार्रवाई: इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान चोट का किया बहाना?

इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में मिली हार के बाद पाकिस्तान के ओपनर इमाम उल हक की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। इमाम मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे थे। उनकी चोट की गंभीरता को लेकर हालांकि सवाल उठ रहे हैं। अब पीसीबी इसकी जांच करवा रहा है। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक मुश्किल में घिरते जा रहे हैं। इमाम पर अब अनुशासनात्मक कार्रवाई की तलवार लटक रही है। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में इमाम चोटिल हो गए थे। अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इमाम की चोट की जांच के आदेश दिए हैं। इमाम चोट के कारण दोनों पारियों में बल्लेबाजी के लिए उतरे थे।

पाकिस्तान को मिली थी करारी हार

पाकिस्तान को लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लैंड से पारी और 103 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 194 रन से शिकस्त दी। इंग्लैंड ने इस तरह तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच अब तीसरा टेस्ट मैच नौ सितंबर से खेला जाएगा। लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन फील्डिंग करते समय इमाम चोटिल हो गए थे और उसके बाद मैच में दोबारा मैदान पर नहीं उतरे। टीम प्रबंधन द्वारा उनकी चोट की पुष्टि के बाद से ही इस बात पर अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह चोटिल होने का नाटक कर रहे थे। बोर्ड से जुड़े एक सूत्र ने इस बात की पुष्टि की है कि इमाम तीसरे टेस्ट से पहले निश्चित रूप से स्वदेश लौट रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रिजवान और इमाम को वापस बुलाने का फैसला किया गया है। सूत्र ने बताया कि इमाम बड़ी मुश्किल में हैं क्योंकि उनकी चोट की गंभीरता को लेकर हालांकि सवाल उठ रहे हैं

Pakistan: इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू से क्यों मचा बवाल? सरफराज ने पाकिस्तान बोर्ड के विवाद से किया किनारा

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों के स्काई स्पोर्ट्स इंटरव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि PCB ने इंटरव्यू प्रसारित होने पर टेस्ट और इंग्लैंड दौरा रोकने की चेतावनी दी थी। हालांकि पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें और खिलाड़ियों को इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी और उनका पूरा ध्यान मैच पर था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान इमरान खान के बेटों के स्काई स्पोर्ट्स इंटरव्यू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पीसीबी ने इंटरव्यू प्रसारित होने पर टेस्ट और इंग्लैंड दौरा रोकने की चेतावनी दी थी। हालांकि, पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा कि उन्हें और खिलाड़ियों को इस विवाद की कोई जानकारी नहीं थी और उनका पूरा ध्यान मैच पर था। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट सिर्फ मैदान पर चल रहे मुकाबले के कारण चर्चा में नहीं है। टेस्ट के पहले दिन लंच ब्रेक के दौरान एक इंटरव्यू ने क्रिकेट से इतर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। स्काई स्पोर्ट्स पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान खान से बातचीत की। इस इंटरव्यू में दोनों ने अपने पिता की सेहत, जेल में उनके इलाज और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने ब्रिटेन सरकार की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाए। इंटरव्यू प्रसारित होने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से कथित तौर पर आपत्ति जताई गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने स्काई स्पोर्ट्स से इसे प्रसारित नहीं करने को कहा था। यहां तक कि इंटरव्यू प्रसारित होने पर लॉर्ड्स टेस्ट रद्द करने और तीन मैचों की सीरीज से हटने की संभावना भी जताए जाने की बात सामने आई। हालांकि, अंततः स्काई स्पोर्ट्स ने इंटरव्यू प्रसारित किया और पाकिस्तान की टीम लंच के बाद मैदान पर वापस लौट आई।

सरफराज ने कहा- मुझे कुछ नहीं पता

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद पाकिस्तान के मुख्य कोच सरफराज अहमद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे। उनसे पीसीबी और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) के बीच हुए कथित विवाद और खिलाड़ियों के मैदान पर नहीं उतरने की खबरों को लेकर सवाल किया गया। सरफराज ने इस पूरे मामले से अनजान होने की बात कही। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ नहीं पता। मैं सिर्फ मैच पर ध्यान दे रहा हूं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह स्काई स्पोर्ट्स पर प्रसारित इमरान खान के बेटों के इंटरव्यू की बात कर रहे हैं, तो सरफराज ने कहा, 'आप इंटरव्यू की बात कर रहे हैं? हमें इंटरव्यू के बारे में कुछ नहीं पता।' इसके बाद उनसे पूछा गया कि क्या पहले दिन लंच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ियों के मैदान पर वापस नहीं लौटने की कोई संभावना थी। इस पर भी उन्होंने साफ इनकार किया। सरफराज ने कहा, 'सब ठीक है। उस समय हम लंच कर रहे थे।' इंटरव्यू से जुड़े विवाद पर सवालों के दौरान सरफराज काफी असहज नजर आए। जब उनसे पूछा गया कि क्या खिलाड़ियों को दूसरे सत्र में मैदान पर नहीं उतरने की संभावना के बारे में बताया गया था, तो उन्होंने सवाल पूरा होने से पहले ही इनकार करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'नहीं, नहीं, नहीं, नहीं।'

कोहली ने बनवाया एक और टैटू: विराट का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल विंडीज सीरीज से पहले किया बदलाव

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह नया टैटू बनवाते दिख रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले कोहली का नया टैटू फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने स्टाइलिश अंदाज और फिटनेस के साथ-साथ टैटू प्रेम के लिए भी जाने जाते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से ठीक पहले विराट कोहली का एक नया टैटू चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो और कुछ तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें वह टैटू बनवाते हुए नजर आ रहे हैं। मुंबई के स्टूडियो में दिखा नया बदलावरिपोर्ट्स के मुताबिक, विराट कोहली को मुंबई के एक मशहूर टैटू स्टूडियो (Aliens Tattoo) में देखा गया, जहां वह अपने बाएं हाथ पर नया टैटू बनवा रहे हैं। उनके इस नए डिजाइन में पानी की बूंद गिरने पर बनने वाली लहर (Ripple Design) जैसी कलाकृति नजर आ रही है। हालांकि अभी यह टैटू पूरी तरह से पूरा नहीं हुआ है और इसके कई सेशन चल चुके हैं, लेकिन इसकी झलक सामने आते ही फैंस के बीच यह चर्चा का केंद्र बन गया है।

फैंस में उत्साह विराट कोहली की बॉडी पर पहले से ही कई टैटू मौजूद हैं, जो उनके जीवन के अलग-अलग पहलुओं और संघर्षों को दर्शाते हैं। अब इस नए टैटू के जुड़ने से उनके फैंस में इसे लेकर काफी उत्सुकता है। वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी सीरीज से पहले कोहली का यह नया लुक और उनका बदला हुआ अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है जब से यह तस्वीर सामने आई है, तब से इंटरनेट पर तेजी से शेयर की जा रही है। फैंस इस पर तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं और कपल को बधाइयां दे रहे हैं। ऋचा और अली के चाहने वाले इस प्यारी सी तस्वीर पर जमकर अपना प्यार बरसा रहे हैं। बता दें कि ऋचा चड्ढा और अली फजल ने इसी साल सितंबर में अपनी बेटी का स्वागत किया था। तब से लेकर अब तक यह जोड़ा अपनी पेरेंटहुड जर्नी को बेहद खूबसूरती से एन्जॉय कर रहा है। काम के मोर्चे पर भी दोनों जल्द ही नए प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं, लेकिन फिलहाल उनकी फैमिली लाइफ से जुड़ी ये अपडेट चर्चा का विषय बनी हुई है। बॉलीवुड के पॉपुलर कपल ऋचा चड्ढा और अली फजल अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300